हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, रविवार 6 अप्रैल 2025

9 श्रद्धालुओं ने किए माता भीमेश्वरी देवी के दर्शन

10 खरीद के दस दिन बाद भी किसानों का भुगतान अटका

K.R. MANGALAM
World School
Bahadurgarh

ENGAGE. LEARN. INNOVATE.

ADMISSIONS OPEN

Nursery - Grade IX & XI
(Play Group Also Available)
Session 2025-26

Ranked No. 1
INNOVATORS CATEGORY
BY TIMES SCHOOL SURVEY 2024

KRM LEGACY

- 40,000+ Students Studying
- 50,000+ Alumni Members
- 4,000 Faculty On Board
- Best Academic Experts
- Seamless Admission Process
- Innovative Learning Modules
- Student-Friendly Campus
- Global Student Exchange Programmes

DISCOVER Excellence WITH TOP-TIER INFRASTRUCTURE

TRANSFORMATIVE EDUCATION | EXCEPTIONAL FACILITIES | INSPIRING TEACHERS

At K.R. Mangalam World School, Bahadurgarh, we're dedicated to shaping young minds into leaders of tomorrow. Our world-class infrastructure and nurturing environment ensure every child's potential is realised.

- Centralised Air-Conditioned Premises
- GPS-Enabled Air-Conditioned Buses
- Tech-Driven Classrooms
- Fully-Equipped Laboratories
- Healthy Student-Teacher Ratio
- Massive Sports Complex with World-Class Facilities
- Specialised Coaches for After-School Sports Programme
- Dedicated Skating Rink
- Splash Pool
- Well-Equipped Medical Room with Annual Health Check-Up

WHY CHOOSE US?

- Comprehensive Extracurricular Programmes
- Global Exposure
- Safe and Inclusive Campus
- Cutting-Edge Technology Integration
- Focus on Character Development
- Proven Academic Excellence

admission@krmangalambahadurgarh.com
www.krmangalambahadurgarh.com

9549899503
School is Open for Admissions on All Days

Sector-2, Near Gauri Shankar Mandir, Bahadurgarh

G.K.- II | Vikaspuri | Kailash Colony | Paschim Vihar | Vaishali | Greater Noida | Faridabad | Gurugram | Bahadurgarh | Panipat | G.K.- I (IB) | Lucknow

खबर संक्षेप

मारपीट के मामले का आरोपी किया काबू

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने गत वर्ष 20 अक्टूबर को कुतुबपुर में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने एक आरोपी कुतुबपुर निवासी पंकज को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया।

महाशय भीमसिंह स्मृति में समारोह आज

रेवाड़ी। जिले के गांव लिसान निवासी रेडियो सिंगर तथा होली गायक महाशय भीमसिंह की स्मृति में 6 अप्रैल को गांव दखोरा के शिव मंदिर में प्रातः 9 बजे समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह के संयोजक लोकगायक रामसिंह दखोरिया ने बताया कि कार्यक्रम में भीमसिंह के करीब एक दर्जन शिष्य उनकी रागनियों के गायन के माध्यम से श्रद्धांजलि देंगे ।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

अभिषेक ने बनाया सबसे अच्छा पोस्टर

छात्रों ने विभिन्न गणित नियमों का गणित के महत्व व दैनिक जीवन क्रियाओं में गणित के प्रयोग को दर्शाया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

राजकीय महाविद्यालय बहादुरगढ़ की प्राचार्य सुमन हुड्डा के निर्देशन में गणित विभाग की मैथो होलिक समिति द्वारा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ गणित विभागाध्यक्ष डॉ. मुकेश दलाल के निर्देशन में हुआ। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अभिषेक, लक्ष्य द्वितीय, काजल व अंश ने तृतीय स्थान पर रहा। प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रो. मोनिका, प्रो. हीरा व प्रो. रीना द्वारा किया गया। डॉ. मुकेश दलाल के अनुसार प्रतियोगिता से बौद्धिक प्रोत्साहन मिलता है और छात्रों को गणित के प्रति आकर्षित करती है। छात्रों ने विभिन्न गणित नियमों का गणित के महत्व व दैनिक जीवन क्रियाओं में गणित के प्रयोग को दर्शाया। इस मौके पर डॉ. अनूप कुमार, प्रो. राकेश दलाल व प्रो पिंकी उपस्थित रहे। आयोजन में प्रो. अनुराधा, दीपक, अंकिता व अंजू ने अहम योगदान दिया।

बहादुरगढ़। पोस्टर दिखाते प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। होनहार विद्यार्थी महाविद्यालय स्टॉफ सदस्यों के साथ। फोटो : हरिभूमि

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में हिमांशु ने पाया पहला स्थान

झज्जर। राजकीय महाविद्यालय दुजाना में शनिवार को विज्ञान विभाग द्वारा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य नसीब सिंह ने की। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता परिणामों में हिमांशु ने पहला, गौरव ने दूसरा तथा हिमांशी ने तीसरा स्थान हासिल किया। प्राचार्य नसीब सिंह ने सभी विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर डॉक्टर मोनिका, डॉक्टर अनिल कुमारी, डॉक्टर अंजू बाला, डॉक्टर रवि, डॉक्टर संजय कुमार सहित अन्य भी मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। एसडीएम को ज्ञापन सौंपते सुमित छिकारा। फोटो : हरिभूमि

उपभोक्ताओं के हकों की रक्षा करे सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

किसान मजदूर उत्थान मोर्चा के प्रधान सुमित छिकारा ने एसडीएम के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन देकर इज ऑफ डूइंग बिजनेस के साथ उपभोक्ता के हकों की रक्षा के लिए सुदृढ़ कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से भी ग्राहकों के हकों की रक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया। छिकारा के अनुसार कंपनियां अपने किए वायदे से मुकर जाती हैं, तो ग्राहकों को कोर्ट का रास्ता सुझाया जाता है। वहीं ई-जागृति नामक ग्राहक सुविधा पोर्टल पर वकील की अनिवार्यता लोगों को अपने हकों के लिए प्रयास करने से रोकती है। कंज्यूमर राइट्स को जमीन पर कार्यान्वित करना अतिआवश्यक हो गया है।

बहादुरगढ़। प्रिंसिपल, अतिथि व शिक्षकों के साथ छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

छात्राओं को नशे के प्रति जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्रिंसिपल प्रवीण ने अपनी माता स्व. राममूर्ति की पुण्य स्मृति में आंतरिक विद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन कराया। इसका उद्देश्य छात्राओं को नशे के प्रति जागरूक करना रहा।

सेवानिवृत्त मुख्याध्यापक भगत सिंह दहिया ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शिरकत की। मंच का संचालन पूजा शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि नशा समाज को खोखला कर रहा है। इस दौरान छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक गीत प्रस्तुत किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। जिसमें छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। शीर्ष दस विजेताओं को सम्मानित किया गया। दो सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। अतिथि भगत सिंह दहिया ने छात्राओं को नशे से दूर रहने के लिए आवश्यक बातों का जिक्र किया। अंत में मंच संचालिका पूजा का भी स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया।

छात्राओं ने देखी मूवी मॉर्निंग वॉक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय की यूथ रैडक्रॉस व आऊटरीच सैल द्वारा शनिवार को मूवी शो का आयोजन किया गया। कॉलेज छात्राओं ने मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित मॉर्निंग वॉक नामक फिल्म को उत्साह के साथ ध्यानपूर्वक देखा। प्राचार्या डॉ. राजवंती कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सुबह की सैर से शारीरिक लाभ भी देती है और मानसिक रूप से मजबूत बनाती है। सभी को सैर व योग करके तन व मन को बलशाली बनाना चाहिए। यूथ रैडक्रॉस व आऊटरीच सैल प्रभारी डॉ. नेहा नैन ने बताया कि करीब 100 छात्राओं ने मूवी देखी। उन्होंने दैनिक जीवन में आने वाली कुछ कठिनाइयों पर चर्चा भी की। आयोजन में डॉ. दीपिका यादव, सीमा तथा प्रीति का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस दौरान डॉ. मंजीत, डॉ. नैना फोगाट, वंदना व वर्षा आदि मौजूद रही।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम के दौरान मूवी देखती छात्राएं व स्टॉफ। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देते युवा कलाकार। फोटो : हरिभूमि

समर कार्निवल में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

एचएल सिटी के एवेन्यू मॉल में विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित समर कार्निवल के दौरान शनिवार को गरबा के साथ ही सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गुजरात की संस्कृति की झलक साफ दिखाई दी।

बता दें कि हिंदू धर्म में नवरात्रि का विशेष धार्मिक महत्व है। बेशक इस दौरान डांडिया और गरबा नृत्य के रूप में उत्सव मनाने की परंपरा मूल रूप से गुजरात की संस्कृति का हिस्सा रही है, लेकिन पिछले कुछ समय से यह चलन दिल्ली हरियाणा सहित कई हिस्सों में भी तेजी से लोकप्रिय हुआ है। शनिवार को बहादुरगढ़ में भी डांडिया नृत्य का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। गौरतलब है कि रुरल एंड अर्बन डेवलपमेंट फाउंडेशन, प्राचीन कारीगर संगठन, प्रगति, अनोखी एग्जिबिशन व अन्य संस्थाओं के सहयोग से एचएल सिटी में समर कार्निवल आयोजित किया जा रहा है। इसमें 7 अप्रैल तक डांडिया उत्सव मनाया जाएगा। बाल कलाकारों द्वारा डांडिया प्रस्तुत किया गया।

युवा कलाकार पारंपरिक परिधानों में संगीत पर थिरकते नजर आए। शिल्पगुरु राजेंद्र बोंदवाल ने कहा कि एक राज्य की संस्कृति का दूसरे राज्य में विस्तार एक सकारात्मक कदम है।

बहादुरगढ़। नारियल फोड़कर सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ करते विधायक राजेश जून। फोटो : हरिभूमि

सिद्दीपुर से मुंढेला तक बनेगी सड़क

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून ने शनिवार को गांव सिद्दीपुर से मुंढेला रोड दिल्ली सीमा तक बनने वाली सड़क के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया तथा नई सड़क बनवाने पर आभार जताया। विधायक राजेश जून ने ठेकेदार को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि गांव सिद्दीपुर से दिल्ली सीमा तक 600 मीटर लंबी बनने वाली इस सड़क के निर्माण कार्य में लगने वाली सामग्री की गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखें। सड़क निर्माण में टेंडर के सभी तय मानकों का पूरी तरह से पालन किया जाए। उन्होंने जेई टीकाराम व ग्राम वासियों से भी सड़क के निर्माण कार्य में लगने वाली सामग्री की गुणवत्ता पर नजर रखने को कहा। इस अवसर पर रमेश पप्पू, नरेश छिकारा, हैप्पी जून, रवि तहलान व अमन जून आदि मौजूद रहे।

वक्फ विधेयक के लिए जताया आभार

बहादुरगढ़। भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ पंकज जैन ने मोदी सरकार द्वारा पारित किए गए वक्फ संशोधन विधेयक पर सभी सांसदों का आभार जताया है। उन्होंने लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने पर इसे ऐतिहासिक क्षण करार दिया। जैन ने कहा कि विधेयक का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को सुव्यवस्थित करना है। इसमें विरासत स्थलों की सुरक्षा और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के प्रावधान हैं। यह विधेयक मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में सुधार में सहायक होगा। इससे देश के करोड़ों गरीब मुस्लिमों को फायदा होगा। कांग्रेस राज में गरीब मुसलमानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कोई काम नहीं किया गया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीब मुस्लिम समुदाय की बेहतरी के लिए यह विधेयक लेकर आए हैं।

ओमेक्स में राम कथा का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर की ओमेक्स सिटी में स्थित देवभूमि श्री राम मंदिर में चल रही श्रीराम कथा का शनिवार को भगवान श्रीराम के राजतिलक के साथ समापन हो गया। अंतिम दिन भारी संख्या में आए भक्तों ने कथा का श्रवण किया। इस दौरान बच्चों ने भगवान राम व उनके स्वरूपों का प्रदर्शन किया।

शनिवार की कथा में वनवास, सीताहरण, रावण वध आदि का विवरण विस्तृत रूप से किया गया। संस्था के प्रधान अत्तर सिंह कौशिक ने बताया कि रविवार सायंकाल मंदिर परिसर में एक वरिष्ठ नागरिक सम्मान स्थल के निर्माण के लिए भूमि पूजन का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने सभी उपस्थित भक्तों का आभार व्यक्त किया। कथाव्यास आचार्य खुशीराम, समिति सदस्यों व स्वयंसेवकों का कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने के लिए धन्यवाद किया। कथाव्यास आचार्य खुशीराम ने ऐसे कार्यक्रमों से समाज में होने वाले सुधारात्मक परिवर्तन का उल्लेख किया।

बहादुरगढ़। कथा के समापन पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। अंबेडकर चौक पर आयोजित भंडारे में प्रसाद वितरित करते हुए श्रद्धालु।

आंबेडकर चौक पर प्रसाद किया वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

- श्री दुर्गा अष्टमी पर्व पर भंडारे का आयोजन

शहर के आंबेडकर चौक पर श्री दुर्गा अष्टमी पर्व पर भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों को कड़ी चावल का प्रसाद वितरित किया गया।

मनीष मेहता ने बताया कि दुर्गा माता की कृपा से आंबेडकर चौक के दुकानदारों ने आपसी सहयोग से प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान फौजा सिंह सरदार, महेंद्र यादव, विनोदी, अजय यादव, अशोक डोगरा, रमेश, मोनू, राजेश, सुनील, बंसी, काले, गगन वर्मा, रविंद्र बिरला सहित अन्य दुकानदारों ने सेवा की।

बहादुरगढ़। सार्वजनिक शौचालय के निर्माण कार्य का शुभारंभ करती चेयरपर्सन सरोज राठी। फोटो : हरिभूमि

9 लाख में बनेगा सार्वजनिक शौचालय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने शनिवार को रेलवे रोड पर दुकानदारों की मौजूदगी में विश्वकर्मा चौक के पास 9 लाख रुपए की धनराशि से बनने वाले सार्वजनिक शौचालय के निर्माण कार्य का नारियल फोड़कर शुभारंभ किया।

राठी ने कहा कि दुकानदारों की मांग को पूरा करते हुए सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कार्य शुरू करवाया गया है। निर्माण के बाद इसकी देखरेख भी नगर परिषद करेगी। शौचालय के निर्माण कार्य में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

दुकानदारों ने चेयरपर्सन का आभार जताते हुए कहा कि इससे रेलवे रोड पर रोजाना आने वाले ग्राहकों व राहगीरों को सहूलियत होगी। इस अवसर पर पालेराम शर्मा, राजेश तंवर, जेई नीरज व अन्य मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 द्वारा जरुरतमंद लोगों से लिए जा रहे आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 शहरी क्षेत्र में किफायती कीमतों पर घर बनाने, खरीदने व किराए पर लेने का सपना रखने वाले जरुरतमंद लोगों द्वारा आवेदन किए जा रहे हैं। झज्जर नगर परिषद के पीएम आवास योजना शहरी के इंचार्ज अरूण सागू ने बताया कि इस योजना में खास बात यह है कि इसमें बीपीएल श्रेणी के अलावा मध्यमवर्गीय परिवार के सदस्य भी आवेदन कर सकते हैं। पीएम आवास योजना पार्ट-टू के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग यानि ईडब्ल्यूएस, निम्न आयवर्ग यानि एलआईजी और मध्यम आय वर्ग यानि एमआईजी के संबंधित परिवारों जिनके पास देश में कहीं भी अपना कोई पक्का घर नहीं है, वे घर खरीदने या निर्माण करने के पात्र होंगे। पोर्टल शुरू होने पर मकान की चाहत रखने वाले पात्र सदस्य केंद्र सरकार के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर पाएंगे। आवेदन करने वाले व्यक्ति के परिवार के सभी सदस्यों के नाम मोबाइल नंबर से लिंक कराना अनिवार्य होगा। आवेदन करने के बाद शहरी स्थानीय निकाय विभाग या नगर निगम की टीम द्वारा भौतिक सत्यापन किया जाएगा।

दिन के तापमान में 2 डिग्री की गिरावट तेज धूप से गर्मी का असर बरकरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

तापमान में कमी आने के बावजूद चिलचिलाती धूप पसीना छुड़ा रही है। रात के तापमान में भी मामूली कमी आई है। आने वाले सप्ताह में तापमान तेजी से बढ़ने की संभावना है। सप्ताह के मध्य पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। आसमान में बादलों व तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी की संभावना भी जताई जा रही है। अगले सप्ताह दो से तीन दिन तक मौसम परिवर्तनशील बना रह सकता है। शनिवार को सुबह से ही आसमान साफ बना रहा। तेज धूप के कारण दोपहर तक भारी गर्मी ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया। हालांकि अधिकतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, परंतु गर्मी का असर कम नहीं हुआ। रात का तापमान 0.5 डिग्री की कमी के साथ 16.5 डिग्री पर आ गया। तेज धूप के चलते दोपहर के समय सड़क से लेकर बाजार तक सुनसान नजर आने लगे। वाहनों की संख्या भी सड़कों पर कम रही। हवा की गति 18 किमी प्रति घंटा रही, जबकि नमी का स्तर 23 फीसदी तक रहा। रात का तापमान अभी भी सामान्य से कम बना हुआ है, जिस कारण रात अभी गर्म नहीं होने लगी हैं। दिन के समय गर्मी अपना रंग दिखाने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार से तापमान में एक बार फिर उछाल आना शुरू हो सकता है। आने वाले सप्ताह में तापमान 42 डिग्री के पार पहुंच सकता है। 9 अप्रैल से पश्चिमी विक्षोभ एक बार फिर सक्रिय हो रहा है। इससे तीन दिन तक आसमान में बादल छा सकते हैं।

रेवाड़ी। एक खेत में काटी गई गेहूं की फसल। फोटो : हरिभूमि

आगामी सप्ताह में बरसात की संभावना

जिले में सरसों की कटाई का लगभग कार्य पूरा हो चुका है तथा गेहूं की कटाई का कार्य तेजी से चल रहा है। इस समय अगर बारिश होती है, तो गेहूं की फसल को नुकसान हो सकता है। हवाओं के साथ बारिश फसल को जमीन पर गिरा सकती है। किसानों ने भी बदलते मौसम को देखते कटाई का कार्य और तेज कर दिया है। आगामी सप्ताह में बरसात होने की संभावना जताई जा रही है।

खबर संक्षेप

यशपाल ने की अनिल विज से मुलाकात

बहादुरगढ़। यशपाल हिंदुस्तानी ने परिवहन एवं ऊर्जा मंत्री अनिल विज से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान सार्वजनिक परिवहन की सुचारू व्यवस्था, सड़क सुरक्षा और अधोसंरचना विकास पर ध्यान देने का अनुरोध किया। अनिल विज द्वारा परिवहन व ऊर्जा विभाग में अच्छे कदम उठाए जा रहे हैं। भविष्य में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

सूर्य तिलक भगवान राम की शोभायात्रा आज

झज्जर। हिंदू नव वर्ष विक्रमी संवत 2082 के शुभ आगमन पर नवरात्र एवं चैत्र शुक्ल पक्ष की रामनवमी को शहर में भगवान राम को सूर्य तिलक किया जाएगा। प्राचीन रामलीला कमेटी के प्रधान अंकुश दूहन ने बताया कि शहर के बहादुरगढ़ रोड स्थित श्री प्राचीन रामलीला मैदान में छह अप्रैल को बारह बजे होने वाले इस समारोह में सूर्य तिलक भगवान राम की शोभायात्रा भी निकाली जाएगी जो रामलीला मैदान से शुरू होकर शहर के मुख्य चौक-चौराहों से गुजरेगी।

एक शाम लखदातार के नाम 12 अप्रैल को

झज्जर। जय बाबा लखदातार मित्र मंडल द्वारा शहर के सीताराम गेट स्थित सामुदायिक भवन में आगामी बारह अप्रैल को एक शाम लखदातार के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मंडल के प्रधान मुकेश सैनी ने बताया कि उनके मंडल द्वारा आयोजित होने किए जाने वाले इस पंचम श्रीश्याम वार्षिकोत्सव एवं भंडारा कार्यक्रम में श्रीश्याम बाबा का भव्य दरबार, श्रीश्याम रसोई, छप्पन भोग आकर्षन का केंद्र रहेंगे। इस दौरान स्थानीय गायक कलाकार योगेश रंजन व धर्मेंद्र बसवाल, दिल्ली से साक्षी चौपड़ा, जयपुर से मुकेश बांगड़ा, पलवल से सुमन तंवर बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। उन्होंने बताया कि इस वार्षिकोत्सव में कैबिनेट मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा, नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी व भाजपा नेता राजकुमार कटारिया को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

सप्ताह में दो दिन आयोजित होंगे समाधान शिविर

झज्जर। डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशन में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में अब बदलाव किया गया है। अब ये शिविर सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार सुबह दस से बारह बजे तक आयोजित किए जाएंगे। जिला व उपमंडल दोनों स्तरों पर शिविर का आयोजन होगा। जिला स्तरीय समाधान शिविर लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में तथा उपमंडल स्तर के समाधान शिविर बहादुरगढ़, बादली व बेरी लघु सचिवालयों में स्थित एसडीएम कार्यालय में आयोजित होंगे।

किसान की साढ़े चार एकड़ फसल जली

बहादुरगढ़। गांव गुभाना के खेतों में आग लग गई। आग से साढ़े चार एकड़ गेहूं की फसल जल गई। दमकल कर्मियों और ग्रामीणों ने आग को फैलने से रोका। आग लगने की यह घटना शुक्रवार की रात को हुई। दरअसल, खेतों में कामकाज निपटा कर अधिकांश किसान अपने घर चले गए थे। इसी दौरान अज्ञात कारणों के चलते खेत में आग लग गई। सूखी फसल होने के कारण तेजी से फैलने लगी। इस दौरान आसपास मौजूद किसानों ने बचाव कार्य शुरू किया।

श्रद्धालुओं ने किए माता भीमेश्वरी देवी के दर्शन, सुख समृद्धि की कामना की

बरकत और सुख समृद्धि का आशीर्वाद दे संपन्न हुआ बेरी मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेरी

श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ने का जो सिलसिला शुक्रवार सांय शुरू हुआ वह शनिवार को अष्टमी के दिन दोपहर तक जारी रहा। मां के दर्शनार्थ आने वाले श्रद्धालुओं ने बिना किसी परेशानी को महसूस किए मां के दर्शनों के लिए घंटों इंतजार करते हुए माता के दर्शन किए और अपने परिवार की सुख स्मृद्धि की कामना की। अष्टमी पर बाहर के मंदिर में जब मां की प्रतिमा लाई गई तो पूरा मंदिर परिसर मां के जयकारों से गूंज उठा। मां के अंदर के मंदिर से बाहर के मंदिर में प्रतिमा लाने की जिम्मेदारी कड़ी सुरक्षा के साथ निभाई गई। पूरे रास्ते में मां के जयकारे गूंजते रहे। इसके बाद मां के दर्शनार्थ हजारों की संख्या में श्रद्धालु निरंतर जयघोष के साथ मंदिर तक बढ़ते रहे। मां भीमेश्वरी के मंदिर में यह क्रम दोपहर तक जारी रहा। इस मेले में निर्विध्न शांति से संपन्न होने से प्रशासन को भी राहत मिली है। विधि-विधान से श्रद्धालुओं ने की पूजा अर्चनाः अष्टमी पर्व पर दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं ने पहुंचकर मां भीमेश्वरी देवी के दरबार मे माथा टेककर मन्नतें मांगी वहीं नवविवाहित जोड़ों ने माता के दरबार में गठजोड़े की जात दी। लोगों ने अपने नवजात बच्चों का मुंडन भी करवाया। प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था व सुविधाओं की दृष्टि से बेरी मेले को विभिन्न क्षेत्रों में बांटा गया था।

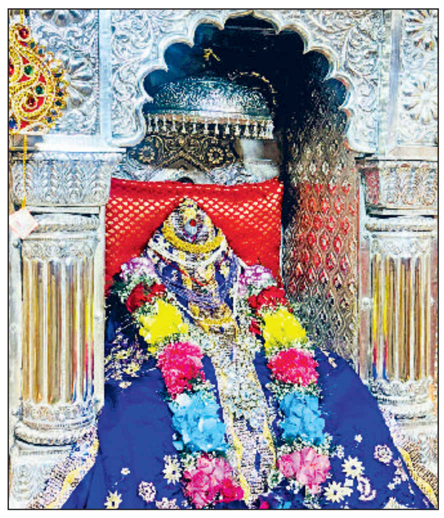

बेरी। मां भीमेश्वरी देवी की प्रतिमा, मां भीमेश्वरी देवी के दर्शनों के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। फोटो :हरिभूमि

बेरी। माता भीमेश्वरी देवी मंदिर में पूजा अर्चना करते हुए हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉक्टर कृष्ण लाल मिड्ढा। फोटो :हरिभूमि

विधानसभा के डिप्टी स्पीकर ने किए माता भीमेश्वरी देवी के दर्शन

बेरी। शनिवार को हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉक्टर कृष्ण लाल मिड्ढा ने चैत्र नवरात्र मेले की अष्टमी के दिन देवी मंदिर पहुंचकर माता के दर्शन किए। उन्होंने मां भीमेश्वरी देवी के दर्शन करते हुए विधिवत रूप से पूजा अर्चना की। मंदिर के प्रमुख पुजारी पंडित कुलदीप वशिष्ठ ने डिप्टी स्पीकर को माता भीमेश्वरी देवी के दोनों मंदिरों से जुड़े इतिहास की विस्तार से जानकारी दी। मंदिर से जुड़ी परंपरा जानने के बाद डिप्टी स्पीकर डॉक्टर कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध माता भीमेश्वरी देवी मंदिर आकर सुखद महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि जगत माता का आशीर्वाद सभी पर बना रहे,ऐसी माता से प्रार्थना करते हैं। वहीं आईपीएस अधिकारी डॉक्टर अर्पित जैन, डॉक्टर अंशु सिंगला, एसडीएम रेणुका नांदल ने सपरिवार देवी मंदिर में पूजा अर्चना की।

बरसों से चली आ रही परंपरानुसार अष्टमी के दिन मां भीमेश्वरी देवी को सुबह मां दो बजे बाहर वाले मंदिर मे लाया गया।

अष्टमी के लिए मंदिर के पुजारी ने मत्रोच्चारण के बीच मंगला आरती करवाई। बता दें कि मां भीमेश्वरी देवी का इकलौता मंदिर है जहां माता की मूर्ति एक है और माता दो मंदिरों में विराजमान होती हैं। पूरे मेला परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। सुरक्षा के मद्देनजर जहां भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा, वहीं पूरा मेला परिसर सीसीटीवी की जद में रहा।

बहादुरगढ़। अष्टमी के अवसर पर पूजन के बाद भोजन करती कन्याएं। फोटो :हरिभूमि

कंजकों को भोजन करवाया

बहादुरगढ़। शहर के मंदिरों में शनिवार को काफी भीड़ रही। सुबह देवी भक्तों ने अष्टमी पर मां के दर्शन किए और कुंवारी कन्याओं को भोजन कराया। नवरात्र के आठवें दिन भक्तों ने मंदिरों में मां महागौरी के दर्शन किए। कई स्थानों पर मां का जगराता भी हुआ। शनिवार तड़के ही कंजकों को जिमाने का सिलसिला शुरू हुआ और दोपहर तक भंडारे और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम चलता रहा। सुबह से ही भक्तों की भीड़ मंदिरों में उमड़ी। देवी दर्शन करने के बाद भक्तों ने कुंवारी कन्याओं को भोजन कराया और उनसे परिवार की सुख समृद्धि का आशीर्वाद लिया। कई स्थानों पर भक्तों ने माता का जगराता किया। भक्तिगीतों से मंदिरों के आसपास का माहौल भी भक्तिमय हो गया। दुर्गा मंदिर, मुरली मनोहर मंदिर, देवी मंदिर, शिव शक्ति मंदिर, रघुनाथ मंदिर, बालाजी मंदिर व राधा-कृष्ण मंदिर आदि मंदिरों में श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और उल्लास के साथ मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के दर्शन किए और प्रसाद चढ़ाया। पंडित महेंद्र शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति का महत्व दुर्गा पूजन से ज्ञात होता है। मात्रशक्ति का सम्मान और पूजन सिर्फ नवरात्रों में नहीं वरन हर दिन करने का संकल्प लेना चाहिए। शिक्षाविद सतीश शर्मा ने कहा कि कन्या पूजन वास्तव में बेटियों के सम्मान का उत्सव है। आज बेटियां जीवन के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही है और अपनी योग्यता के बल पर शीर्ष पदों को सुशोभित कर रही हैं। हमें बालिकाओं के विकास एवं शिक्षा के लिए यथासंभव प्रयास करने का संकल्प लेना होगा।

कन्या पूजन के लिए करना पड़ा घंटों इंतजार

झज्जर। शहर में श्रद्धालुओं ने श्री दुर्गा अष्टमी पर्व बड़े ही श्रद्धा भाव से मनाया। नवरात्र में व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने महागौरी की पूजा अर्चना कर अपना व्रत खोला। वहीं मंदिरों में माता की पूजा अर्चना की गई। मां के जयकारों से मंदिर गूंजते रहे। लोगों ने कन्याओं को देवी का रूप मानकर उन्हें भोजन कराने के उपरांत उपहार भेट किए। पंडित पवन कौशिक ने बताया कि नवरात्र में नौ देवियों की पूजा का विधान है। नवरात्र में श्रद्धापूर्वक दान, व्रत करने से मां की विशेष कृपा प्राप्त होती है और मनोकामना भी पूर्ण होती है। कन्या पूजन ही साक्षात मां की पूजा है। कन्या पूजन का भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों में भी बहुत महत्व है। व्रती महिला शशी बहल ने बताया कि वह प्रतिवर्ष नवरात्र के दिनों में व्रत रखती हैं। कन्या पूजन करती हैं। इससे उन्हें काफी खुशी मिलती है। कन्या पूजन के लिए करना पड़ा इंतजारः अष्टमी के दिन शहर में समाज का एक अलग ही रुप देखने को मिला। गलियों, मौहल्लों में करीब दस बजे तक लोग नंगे पैर अपने परिवार सहित इधर-उधर घूमते हुए दिखाई दिए। जिस घर में कन्याओं का पूजन किया जा रहा था, उसके बाहर अन्य परिवारों के तीन-चार सदस्य कन्याओं को अपने घर लेने जाने का इंतजार कर रहे थे। स्थिति यह रही कि कन्याओं को भोजन कराने के लिए श्रद्धालुओं को लंबा इंतजार करना पड़ा।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ ने किया मंथन, मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

- सरकार समय रहते उनकी मांगें पूरी नहीं करती है तो रिटायर्ड कर्मचारी संघ किसी भी बड़े आंदोलन की घोषणा कर सकता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रिटायर्ड कर्मचारी संघ की खंड स्तरीय मासिक बैठक शनिवार को पुराने जलघर परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता खंड प्रधान रमेश जाखड़ ने की जबकि संचालन सचिव राजवीर राहड़ द्वारा किया गया। बैठक में रिटायर्ड कर्मचारियों के मांग मुद्दों जिन में 11 मार्च को संपन्न हुई राज्य स्तरीय कुरुक्षेत्र रैली की समीक्षा, सदस्यता अभियान और समस्या पहचान कार्यक्रम की जानकारी, केंद्रीय सिविल सेवा नियम और सिद्धांतों का सत्यापन वित्त विधेयक पर चर्चा, बिजली दरों में वृद्धि ,हरियाणा रोजगार कौशल निगम के तहत लगे कर्मचारियों को हटाने की सरकार की गलत नीति की निंदा, पेंशनर्स की कार्मिक पेंशन वृद्धि जो कि 65 वर्ष की आयु पर 10 और 75 वर्ष की आयु पर 20 प्रतिशत वृद्धि, मासिक मेडिकल भत्ता तीन हजार रुपये तथा कैशलेस मेडिकल सुविधा, ओपीएस की बहाली, कोरोना काल का 18 माह का महंगाई भत्ते का एरियर, कोऑपरेटिव, स्थानीय निकाय, मान्यता प्राप्त स्कूलों के रिटायर्ड को न्यूनतम बीस हजार रुपये मासिक पेंशन, हटाए गए पीटीआई और ड्राइंग टीचर को उनका नियमित दस साल की सेवा का पूरा लाभ देते हुए नियमित करना आदि मुद्दों पर चर्चा की गई। खंड प्रधान रमेश जाखड़ ने कहा कि यदि सरकार समय रहते उनकी मांगें पूरी नहीं करती है तो रिटायर्ड कर्मचारी संघ किसी भी बड़े आंदोलन की घोषणा कर सकता है, जिसके लिए पूर्ण रूप से शासन और प्रशासन जिम्मेदार होगा। इस मौके पर वरिष्ठ उप प्रधान बलबीर सिंह यादव, जिला सचिव देवेंद्र यादव, कोषाध्यक्ष विष्णु जांगड़ा, जयपाल गुढ़ा, राजेंद्र जुलाना, संगठन के मुख्य सलाहकार रामेश्वर, रमेश कुमार, राजवीर सिंह, जयपाल, धर्मपाल अहलावत, देवेंद्र सिंह, दिलीप सिंह, जयप्रकाश गुप्ता, राजकुमार, ओम कुमार, ओम प्रकाश, ईश्वर सिंह, राज दहिया, रामवीर माजरा, धर्मवीर राहड़, रोहतास, ओमप्रकाश, दिलीप रावत सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। बैठक के दौरान उपस्थित रिटायर्ड कर्मचारी संघ के सदस्य एवं पदाधिकारी।

विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति जागरूक किया

बहादुरगढ़। बच्चों को प्रकृति के प्रति जागरूक करते पर्यावरण प्रेमी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

पर्यावरण प्रेमियों ने स्कूली बच्चों को औषधीय पौधों के बारे में जागरूक किया और प्लास्टिक के प्रयोग को कम करने के लिए प्रेरित किया। चरक पार्क में क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अशोका इंटर नेशनल स्कूल के बच्चों को औषधीय पौधों के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को प्रकृति के प्रति जागरूक करना और उन्हें औषधीय पौधों के महत्व के बारे में बताना था। कार्यक्रम में बच्चों को तुलसी, नीम और गिलोय सहित विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को प्लास्टिक के प्रयोग को कम करने के लिए प्रेरित किया।

पर्यावरण प्रेमियों ने कहा कि प्लास्टिक का प्रयोग हमारे पर्यावरण के लिए बहुत हानिकारक है। हमें प्लास्टिक की जगह कपड़े के बैग और अन्य प्राकृतिक सामग्री का उपयोग करना चाहिए।

बच्चों ने कार्यक्रम में बहुत उत्साह दिखाया और उन्होंने औषधीय पौधों के बारे में बहुत कुछ सीखा। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने कहा कि वे प्रकृति के प्रति जागरूक रहने तथा प्लास्टिक के प्रयोग को कम करने का प्रयास करेंगे।

बुजुर्गों को करवाया देवी माता के दर्शन

बेरी। मेला में माता के दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं की रेडक्रॉस वालेंटियरस और स्काउट्स के विद्यार्थियों ने दिन भर सहायता की। रेडक्रॉस वालिंटियर ने वृद्ध और दिव्यांगों को मंदिर तक पहुंचाया और माता के दर्शन कराए। इतना ही नहीं रेडक्रॉस वालिंटियर ने भी श्रद्धालुओं की सहायता में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं छोड़ी।

बेरी। बुजुर्ग महिला को माता के दर्शनों के लिए लेकर जाते हुए वालेंटियरस। फोटो :हरिभूमि

समानता का समाज बनाने के लिए एकजुट होकर बढ़ाना होगा कदम

- सावित्री बाई फूले की कहानी सुनाते हुए जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

ब्रेकथ्रू संस्था द्वारा क्षेत्र के गांव भटेड़ा में ग्राम स्तरीय नेटवर्किंग मीटिंग का आयोजन किया गया। टीम सदस्य ममता मीणा व पूनम ने मीटिंग में मौजूद आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत मेंबर, युवाओं व आशा वर्कर्स को बराबरी के समाज के लिए एकजुट होकर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने सावित्री बाई फूले की कहानी सुनाते हुए बताया गया कि जब हम बदलाव की और बढ़ते हैं तो बहुत सी परेशानियों का सामना भी करना पड़ता हैं। हमें उन परेशानियों पर ध्यान ना देकर अपने लक्ष्य की तरफ ध्यान देना है। जब हम सब कदम से कदम बढ़ाएंगे तो एक दिन हमारा सपना बराबरी का समाज बनाने का सपना जरूर पूरा होगा।

झज्जर। मीटिंग में आंगनवाड़ी व आशा वर्कर्स को संबोधित करते हुए संस्था सदस्य।

विद्यालय परिसर में आठ नए कमरों की आधारशिला रखी गई

जीपीएस निमाणा के विद्यार्थियों को मिली बस सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शनिवार को राजकीय प्राथमिक पाठशाला निमाणा में नए कमरों के निर्माण के लिए भूमि पूजन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान गोकुलधाम के संचालक सुनील निमाणा एवं उनके परिवार द्वारा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विद्यालय परिसर में आठ नए कमरों की आधारशिला रखी गई। इस दौरान सुनील निमाणा परिवार द्वारा एक बस भी स्कूल को भेंट की गई। जिससे दूर-दराज के गांवों के विद्यार्थियों को भी विद्यालय से जोड़ने में मदद मिलेगी। इस दौरान प्राचीन गुरुकुल महाविद्यालय के अधिष्ठाता आचार्य विजय पाल, देवालय आश्रम से स्वामी इंद्रदास, डीईओ वीरेंद्र, स्कूल मुखिया विक्रम, पेलपा स्कूल से प्राचार्या कृष्णा सांगवान, सतगामा प्रधान ब्रह्मानंद गुलिया, ग्राम सरपंच मलखान सिंह, महेंद्र सिंह, सतनारायण, सुखबीर नंबरदार, रामफल ठेकेदार, बलवान हसनपुर, प्रदीप कलोई, अजय सूरहा, भीम सिंह, ब्रह्मदेव याकूबपुर, सुरेंद्र नंबरदार, संदीप पटवारी सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान भूमि पूजन करवाते हुए आचार्य विजयपाल।

बंद होने के कगार पर था विद्यालय

जिला समन्वयक निपुण डॉक्टर सुदर्शन पूनिया ने बताया कि निमाणा गांव का यह राजकीय प्राथमिक विद्यालय सत्र 2022-23 में जहां मात्र 23 विद्यार्थियों की संख्या के चलते बंद होने के कगार पर था वहीं वर्तमान में इस विद्यालय में दो सौ से अधिक विद्यार्थी शिक्षा ले रहे हैं। यह परिवर्तन गांव वासियों के अथक प्रयास, सहयोग और सामुदायिक भागीदारी का प्रत्यक्ष परिणाम है। विद्यालय में अब एयर कंडीशनर, आधुनिक फर्नीचर, रंग-बिरंगे टॉयज और खेल सामग्री जैसी सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बच्चों के समग्र विकास के लिए रचनात्मक गतिविधियों की भी शुरुआत की जा रही है।

ज्वेलरी शोरूम में हुई चोरी की वारदात सीसीटीवी में कैद

बहादुरगढ़। शहर में आपराधिक वारदात बढ़ रही हैं। अब यहां एक ज्वेलरी शोरूम में दिन दहाड़े चोरी की वारदात हो गई। आभूषण खरीदने के बहाने आए युवक ने चांदी की पायल और चेन चुरा ली। सीसीटीवी फुटेज चेक की तो वारदात का पता चला। इस संबंध में पुलिस को शिकायत दे दी गई है। पुलिस जांच कर रही है। वारदात झज्जर मोड़ के निकट स्थित महालक्ष्मी ज्वैलर्स शोरूम में हुई। दरअसल, शुक्रवार की शाम करीब साढ़े चार बजे एक युवक शोरूम में आया। आते ही उसने सेल्समैन से बच्चों के कड़ुले दिखाने को कहा। इस दौरान सेल्समैन उसे आभूषण दिखाने लगा।

NOTICE

I, Amit Sharma legal Father of Ritanshi Sharma R/o H.no. 11/336, Indira Market, Bahadurgarh,Distt. Jhajjar, Haryana declare that I have changed my minor daughter's Name from URVI to URVI SHARMA. Her Date of Birth is 26.01.2016. Both names URVI & URVI SHARMA pertain to one and the same person. She shall hereafter be known as URVI SHARMA.

NOTICE

I, Amit Sharma legal Father of Ritanshi Sharma R/o H.no. 11/336, Indira Markct, Bahadurgarh, Distt. Jhajjar, Haryana declare that I have changed my minor daughter's Name from RITANSHI to RITANSHI SHARMA. Her Date of Birth is 16.05.2011. Both names RITANSHI & RITANSHI SHARMA pertain to one and the same person. She shall hereafter be known as RITANSHI SHARMA.

खबर संक्षेप

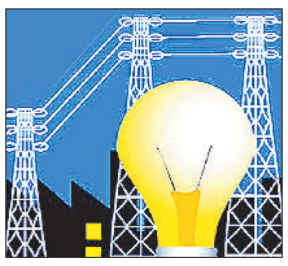

एमआईई में आज प्रभावित रहेगी बिजली

बहादुरगढ़। आधुनिक औद्योगिक संपदा (एमआईई) के 33 केवीए पावर हाउसों में रविवार 6 अप्रैल को मेंटिनेंस वर्क किया जाएगा। इसके चलते इन पावर हाउसों से जुड़े 15 फीडरों पर कई घंटे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। जेई लोकेश कुमार ने बताया कि एमआईई के पार्ट-बी में रविवार को ट्रांसफार्मरों, वीसीबी आइसोलेटर व अन्य मेंटिनेंस वर्क होगा। इसके चलते 10 इंडस्ट्रीज फीडर व 4 इंडिपेंडेंट फीडरों की बिजली आपूर्ति सुबह 8 बजे से लेकर 11 बजे तक बंद रहेगी।

पहलवान के शव का हुआ पोस्टमार्टम

बहादुरगढ़। गोली मारने और कुएं में डालकर मौत के घाट उतारे गए मांडोठी निवासी राकेश पहलवान के शव का पोस्टमार्टम शनिवार को बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल में हुआ। इसके बाद गांव में दाह संस्कार कर दिया गया। राकेश गत 27 मार्च को लापता हुआ था। परिजनों की ओर से उसके गायब होने के पीछे गांव के निवासी देवेंद्र उर्फ सोनू पर शक जताया गया था। पुलिस ने सोनू से सख्ताई से पूछताछ की तो वारदात का खुलासा हुआ। इसके बाद वीरवार को पहलवान राकेश उर्फ घुग्घू का शव गांव में ही एक कुएं से बरामद हुआ। गोली मारकर उसकी हत्या की गई थी। फिर उसके शव को पत्थर से बांधकर कुएं में डाला गया था। मामले में पकड़ा गया आरोपी सोनू तीन दिन के रिमांड पर है। वहीं, शनिवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच चल रही है।

खरीद के दस दिन बाद भी किसानों का भुगतान अटका, उठान भी नहीं हो रहा

■ झज्जर अनाज मंडी ने सरसों व गेहूं की आवक लगातार हो रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

अनाजमंडी में सरसों व गेहूं की फसल की आवक निरंतर जारी है। फसल उठान कार्य नहीं होने के कारण किसानों व आढ़तियों में रोष व्याप्त है। अनाजमंडी आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान हरेंद्र सिलाना ने बताया कि मंडी में फसलों का कोई उठान नहीं है। गाड़ियां तीन दिनों से भरी खड़ी हैं लेकिन उन्हें खाली करने के लिए अभी तक कोई स्टेशन निर्धारित नहीं किया गया। वे इस संबंध में डीएफएससी से लेकर एसडीएम तक समस्या से अवगत करा चुके हैं लेकिन आश्वासन के सिवाय कुछ नहीं मिला। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन गाड़ी खाली होने के बाद ही किसानों की फसल की कीमत उनके खातों में आएगी। एक अनुमान के अनुसार ऐसे में किसानों की करीब तीस हजार क्विंटल से अधिक की फसल ऐसी है जिनके रुपये दस दिन से अधिक समय बीतने के बावजूद किसानों के खातों में नहीं आई है। उधर, डीसी प्रदीप दहिया द्वारा खरीद एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसानों को समय पर भुगतान किया जाए ताकि उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। लिफ्टिंग कार्य में तेजी लाई जाए ताकि मंडियों में जगह की कमी न हो और नई फसल की आवक बाधित न हो। खरीद एजेंसियों द्वारा स्टोरेज व्यवस्था को बेहतर ढंग से प्रबंधित किया जाए, जिससे खरीदी गई सरसों का सुरक्षित भंडारण किया जा सके। किसानों की सुविधा के लिए अनाज मंडियों में जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके अलावा अनाज मंडी परिसर में बेसहारा गौवंशों के घूमने के कारण भी आढ़ती परेशान है। आढ़तियों का कहना है कि बेसहारा गौवंश फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है।

झज्जर। अनाज मंडी परिसर में लगी सरसों की ढेरियां।

बहादुरगढ़ : गेहूं की आवक जारी, खरीद नहीं हो रही

बहादुरगढ़। अनाज मंडी में सरसों की खरीद जा रही है लेकिन गेहूं की सरकारी खरीद अभी शुरू नहीं हो सकी है। हालांकि मंडी में गेहूं की आवक गति पकड़ रही है। शनिवार को बहादुरगढ़ की अनाज मंडी में पांच सरकारी गेट पास कटे, जबकि आसौदा में 33 गेट पास जारी हुए। बहादुरगढ़ में 352.5 क्विंटल फसल तो आसौदा में 2137 क्विंटल फसल आई। अब तक दोनों मंडियों में कुल 3919.5 क्विंटल फसल आ चुकी है लेकिन एक भी दाने की खरीद नहीं हो सकी है। सोमवार से सरकारी खरीद शुरू होने की संभावना है। दूसरी तरफ सरसों की खरीद प्रक्रिया चालू है। शनिवार को 30 गेट पास कटे और 532 क्विंटल सरसों आई और 643.5 क्विंटल खरीदी गई। अब तक 7921.80 में से 6465 क्विंटल सरसों खरीदी जा चुकी है। जबकि पांच हजार क्विंटल का उठान हो चुका है। डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार किसानों की उपज निर्धारित मानकों के अनुरूप खरीदी जा रही है और उनकी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। अब तक जिले में कुल 12265 मीट्रिक टन सरसों की खरीद हो चुकी है, जबकि 19551 मीट्रिक टन सरसों की आवक दर्ज की गई है।

खेतों से 11 किसानों की मोटर चोरी

बहादुरगढ़। चोरी की बढ़ती वारदातों से किसान परेशान हैं। आए दिन किसी न किसी गांव में खेती से संबंधित उपकरण चोरी हो रहे हैं। गांव छुड़ानी में तो एक ही रात में 11 किसानों के खेतों से मोटरें चोरी हो गई। इन वारदातों से किसानों को काफी आर्थिक हानि हुई है। उनका कामकाज भी प्रभावित हो गया। शिकायतों के आधार पर बादली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।वारदात ओम प्रकाश, जगबीर, धर्मबीर, जयभगवान, नेपाल सिंह, संजीव, राज सिंह, दीपक, नरेंद्र, परसराम और अतर सिंह के खेतों में ये वारदात हुई हैं। इन किसानों का तर्क है कि तीन अप्रैल की रात तक खेतों में मोटरें ठीक ठाक थी लेकिन जब चार अप्रैल की सुबह गए तो मोटरें नहीं मिली। अपने स्तर पर जांच की। आसपास पूछताछ की लेकिन कुछ पता नहीं चला। एक ही रात में कई जगह वारदात होने से किसान चिंतित हैं। उन्हें काफी आर्थिक हानि हुई है। किसानों का कहना है कि आए दिन चोरी की वारदात हो रही है। इन वारदातों के कारण उन्हें बहुत परेशानी हो रही है। संभवतः पूरा गिरोह ये वारदातें कर रहा है। पुलिस जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात सुलझाए।

माइनर में डूबने से किशोर की मौत

बहादुरगढ़। गर्मी के साथ ही एनसीआर माइनर में हादसे शुरू हो गए। यहां बादली स्थित एनसीआर में डूबने से पंजाब के एक किशोर की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। घटना को संयोग मानकर कार्रवाई की गई है। मृतक की पहचान करीब 15 वर्षीय गुरशान के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, वह पंजाब के अमृतसर जिले का रहने वाला था। इन दिनों वह अपने परिचितों के साथ यहां बादली इलाके में फसल कटाई के लिए आया हुआ था। नहाने के लिए वह एनसीआर माइनर पर गया था। तैरना नहीं आता था। पांव फिसलने से वह डूब गया और निकल नहीं सका। जब तक उसे बाहर निकाला जाता, दम तोड़ चुका था। सूचना पाकर बादली थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नागरिक अस्पताल बहादुरगढ़ में भिजवाया। शनिवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम करा दिया।

एसयूसीआई ने गार्बेज टैक्स लगाने का विरोध किया

बहादुरगढ़। सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया ने हरियाणा सरकार द्वारा नगर पालिका, नगर परिषद एवं नगर निगम में कचरा संग्रह कर (गार्बेज टैक्स) लगाने की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे नागरिक विरोधी करार दिया है। राज्य सचिव मंडल सदस्य अनूप सिंह मातनहेल तथा जयकरण मांडौठी ने बताया कि निकाय संस्थाओं द्वारा पहले से ही नागरिकों से विभिन्न तरह के टैक्स वसूले जा रहे है।

जबकि नागरिकों को न्यूनतम सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं करवाई जा रही। मूलभूत सुविधाओं का नितांत अभाव है। छोटी-छोटी बातों को लेकर नागरिक निकाय अधिकारियों के कार्यालय में चक्कर काटते रहते है, परंतु उन्हें निराशा के अलावा कुछ नहीं मिलता। उनके अनुसार सरकार की प्राथमिकताओं में नागरिक कहीं भी नहीं है।

उन्होंने कहा कि एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) शहर के नागरिकों, व्यापार मंडल, अन्य संगठनों व संस्थाओं से मिलकर कचरा संग्रह टैक्स वसूली के विरोध तथा अन्य समस्याओं को लेकर नागरिक कमेटी का गठन करेगी। कचरा संग्रह टैक्स वापिस नहीं होने तक आंदोलन जारी रखा जाएगा।

कैब लूटने के आरोप में चार गिरफ्तार

■ पुलिस ने आरोपियों से गाड़ी व चालक से छीना मोबाइल फोन बरामद किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शाहपुर में कैब लूटने की वारदात बहादुरगढ़ पुलिस ने सुलझा ली है। वारदात में शामिल चारों आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिए हैं।

■ पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश किया, जेल भेजा

आरोपियों से लूटी गई गाड़ी और मोबाइल बरामद कर लिए गए हैं। चारों आरोपी जेल भेज दिए गए हैं। लूटपाट की यह वारदात पालम दिल्ली के निवासी रितिक के साथ हुई थी। दरअसल, तीन अप्रैल की रात को दिल्ली के छतरपुर से तीन युवकों ने गाड़ी नजफगढ़ के लिए बुक की थी। नजफगढ़ पहुंचने पर तीनों युवकों ने चालक से बहादुरगढ़ जाने को कहा। यहां बुपनिया पहुंचने पर इन्होंने अपने एक और साथी को गाड़ी में बैठाया। फिर कहा कि छतरपुर वापस चलो। जब शाहपुर से डाबोदा मार्ग पर पहुंचे तो दो मोबाइल छीने और मारपीट उसे सुनसान रास्ते पर उतार दिया। गाड़ी लेकर भाग गए। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। मामले में कार्रवाई करते हुए एएसआई जलबीर की टीम ने चारों आरोपी काबू कर लिए। इनकी पहचान योगेश निवासी शाहपुर, राजकुमार निवासी बुपनिया तथा मनीष व मोहित निवासी राजपपुर खुर्द दिल्ली के तौर पर हुई है। आरोपियों से छीनी गई गाड़ी व मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

बैंक में रुपये जमा कराने आए बुजुर्ग 59 हजार की ठगी

बहादुरगढ़। बैंक में रुपये जमा कराने आए एक व्यक्ति के साथ ठगी की वारदात हो गई। शातिर दो युवकों ने बैंक के भीतर ही उनको बातों में उलझाया। फिर झांसा देकर बाहर ले गए और उनसे 59 हजार रुपये ऐंठ लिए। जब तक व्यक्ति कुछ समझ पाता, देर हो चुकी थी। सिटी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात लाइनपार के निवासी ओमप्रकाश के साथ हुई है। ओमप्रकाश का कहना है कि वह शुक्रवार को रोहतक-दिल्ली रोड स्थित यूनियन बैंक में रुपये जमा कराने गए थे। उनके पास 59 हजार रुपये थे। वहां बैंक में दो युवक नजदीक खड़े थे। उनसे पर्ची भरवाने लगा तो वे झांसा देकर उसे बाहर ले गए। बैंक से बाहर ले जाकर ज्यादा पैसे का झांसा दिया और 59 हजार रुपये ले लिए। इसके बाद वहां से चंपत हो गए। फिर उन्होंने घर जाकर अपने परिवार को वारदात से अवगत कराया। उधर, सूचना पाकर पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने बैंक व आसपास सीसीटीवी फुटेज चेक कर आरोपियों की पहचान के प्रयास किए। सिटी पुलिस का कहना है कि ओमप्रकाश की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। मामले में जांच की जा रही है। जल्द से जल्द वारदात सुलझाने की कोशिश रहेगी।

अगले माह होंगे सेक्टर-6 आरडब्ल्यूए के चुनाव

■ करीब 1300 सदस्यों द्वारा कॉलेजियम के 55 सदस्यों का चुनाव किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सेक्टर-6 आरडब्ल्यूए के बहुप्रतिक्षित चुनावों का बिगुल बज गया है। यहां रहने वाले करीब 1300 सदस्यों द्वारा कॉलेजियम के 55 सदस्यों का चुनाव किया जाएगा। यह चुनाव मई महीने के प्रथम सप्ताह में होंगे।

एडहॉक कमेटी सर्वे कर मतदाता सूची तैयार की

इसके लिए एडहॉक कमेटी द्वारा पूरा सर्वे करके मतदाता सूची तैयार की गई है। बता दें कि सेक्टर-6 रेजिडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन का चुनाव हर बार सियासी अखाड़े में तब्दील हो जाता है। इस बार भी ऐसी ही पटकथा लिखी जा चुकी है। जिला फर्म एंड सोसायटी रजिस्ट्रार द्वारा चुनावों की तैयारियों के लिए एडहॉक कमेटी बनाई गई थी। धीरज बिंदलिश, जयपाल सांगवान, आनंद शर्मा व संजीव अरोड़ा इसके सदस्य हैं।

उन्होंने बताया कि मई के प्रथम सप्ताह में चुनाव हो सकते हैं। निष्पक्ष चुनाव करवाने की तैयारियां सिरे चढ़ाई जा रही हैं। आरडब्लयूए के वर्तमान में लगभग 1300 सदस्य हैं। जो 55 कॉलिजियम सदस्यों का चुनाव करेंगे और फिर कॉलिजियम सदस्य पदाधिकारियों व कार्यकारिणी का चयन करेंगे। एडहॉक कमेटी के सदस्यों ने पूरा सर्वे करके सदस्यों की लिस्ट तैयार की है। इसके आधार पर कॉलिजियम का चुनाव होगा।

बहादुरगढ़। रोहतक रोड पर दूसरी पुलिया से सेक्टर-6 का प्रवेश द्वार।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

सड़क पर खड़ी रोडवेज बस से टकराया बाइक सवार, मौत

झज्जर। बेरी-कलानौर मार्ग पर वजीरपुर गांव के नजदीक हुई बस व मोटरसाइकिल की टक्कर में मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान क्षेत्र के गांव बिरोहड़ निवासी रामपाल पुत्र जगदीश जबकि घायल युवक की पहचान दिनेश पुत्र जोगेंद्र के तौर पर की गई है। यह हादसा उस दौरान हुआ जब दिनेश व रामपाल एक मोटरसाइकिल सवार होकर बेरी के मां भीमेश्वरी मंदिर में दर्शन करने आए थे। बेरी मेले से होकर जब वे वापिस घर लौट रहे थे तो वजीरपुर गांव के नजदीक सड़क पर खड़ी एक बस से उनकी मोटरसाइकिल टकरा गई। इस टक्कर में जहां रामपाल की मौके पर ही मौत हो गई वहीं दिनेश गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल दिनेश को उपचार के लिए बेरी के नागरिक अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए रोहतक के पीजीआई रैफर कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। रविवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

पुलिस ने बिरोहड़ निवासी दिनेश की शिकायत पर रोडवेज बस के चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

बाइक सवार ने दो युवकों को टक्कर मारी

झज्जर। क्षेत्र के गांव माछरौली के नजदीक सर्विस रोड पर सड़क किनारे खड़े दो युवकों में एक को तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी। जिसके कारण वह गंभीर रूप से घायल कर दिया। मूल रूप से खुड्डन गांव निवासी टिल्लूराम पुत्र रामस्वरूप ने बताया कि वह फिलहाल माछरौली गांव में रहता है। उसका चचेरा भाई प्रकाश पुत्र इंद्राज भी उसी के पास रहता है। बीते तीन अप्रैल की सुबह करीब सात बजे जब व अपने भाई प्रकाश के साथ रोड क्रॉस करने के लिए सर्विस रोड पर खड़ा था तो अचानक एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उसके चचेरे भाई प्रकाश को सीधी टक्कर मार दी। इसके बाद जब वह अपने भाई को संभालने लगा तो मोटरसाइकिल चालक मौके से फरार हो गया। वह राहगीरों की मदद से प्रकाश को उपचार के लिए सीएचसी माछरौली ले गया।

बीते वर्ष रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या में सूर्य किरणों से नवप्रतिष्ठित रामलला के ललाट पर सूर्य तिलक किया गया था। आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला के सूर्य तिलक की योजना बनाई गई है। ऐसा कैसे संभव होगा, इसके लिए कैसे तकनीक काम करेगी और देश-विदेश में ऐसा और कहां हो चुका है? इस बारे में विस्तार से जानिए।

श्रीरामलला के ललाट पर नियमित होगा सूर्य तिलक

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

आज से अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला का प्रतिदिन सूर्य तिलक होगा। यह फैसला मंदिर निर्माण समिति ने लिया है। इसके तहत करीब 4 मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला के ललाट को सुशोभित किया करेंगी। समिति के अध्यक्ष और पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्र के मुताबिक हर दिन सूर्य तिलक की प्लानिंग अभी अगले 20 सालों तक के लिए की गई है।

गौरतलब है कि पिछले साल रामनवमी के दिन यानी 17 अप्रैल, 2024 को पहली बार रामलला का राजतिलक सूर्य की किरणों से किया गया था, जिसे 'सूर्य तिलक' कहा गया। इसकी वैज्ञानिक तकनीक मुख्य रूप से प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन के सिद्धांतों पर आधारित है।

कैसे किया गया सूर्य तिलक

सूर्य तिलक के लिए सबसे पहले संग्रहण लेंस और दर्पणों की मदद से सूर्य की किरणों को एक नियत स्थान पर केंद्रित किया गया। यह सूर्य की स्थिति की सटीक खगोलीय गणना और इंजीनियरिंग का कमाल था, जिससे दर्पणों और लेंसों को एक खास कोण पर स्थापित किया गया, जिससे सूर्य की किरणें सीधे रामलला के मस्तक पर सुशोभित हुईं। इस समूची प्रक्रिया में सौर संरेखण और भारतीय खगोलशास्त्र के सटीक ज्ञान का प्रयोग किया गया। पहले ऐसा करना हर वर्ष रामनवमी के दिन के लिए प्रस्तावित था। लेकिन आज रामनवमी से अगले 20 सालों तक हर दिन ऐसा होगा।

पहले भी हुआ है ऐसा

मुगलों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के पहले तक ओडिशा स्थित कोणार्क के सूर्य मंदिर के मुख्य गर्भगृह तक भी सूर्य की पहली किरणें पहुंचती थीं। लेकिन वहां किसी प्रतिमा के मस्तक पर सटीक तिलक नहीं होता था। इसी तरह महाराष्ट्र के कोराडी मंदिर में भी सूर्य की किरणें एक विशेष दिन गर्भगृह में प्रवेश करती हैं। ऐसे ही मदुरै (तमिलनाडु) के मीनाक्षी मंदिर में भी सूर्य की रोशनी गर्भगृह तक पहुंचती है। बृहदेश्वर मंदिर (तंजावुर) में भी विशेष संरेखण के जरिए शिवलिंग पर एक निश्चित समय सूर्य की रोशनी गिरती है। लेकिन इन सभी मंदिरों में किसी मूर्ति के सटीक मस्तक पर तिलक होने की तकनीक पहले कभी नहीं थी, जिस तरह की तकनीक से अयोध्या में रामलला के मस्तक को सुशोभित किया जा रहा है। ऐसी विशिष्ट तकनीक पहली बार प्रयोग की गई है। इससे पहले की सारी तकनीकें प्रकाश संरेखण के जरिए सूर्य की किरणों को गर्भगृह पहुंचाने तक ही सीमित थीं।

कोणार्क का सूर्य मंदिर

दुनिया में और कहां होता है ऐसा

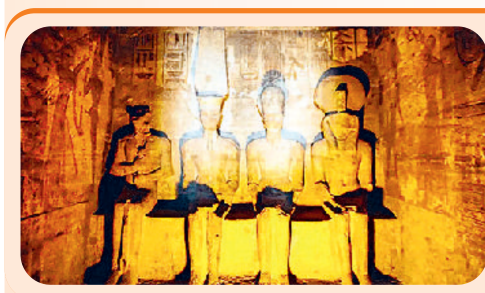

किसी प्रतिमा पर सूर्य किरण से तिलक करने की घटना एक अन्य देश में भी होती है। अबू सिंबल मंदिर (मिस्र) में हर वर्ष 22 फरवरी और 22 अक्टूबर को सूर्य की किरणें सीधे फराओ रामसेस द्वतीय की मूर्ति पर पड़ती हैं। लेकिन मूर्ति के मस्तक जैसे किसी एक विशेष स्थान पर सटीक ढंग से महज कुछ मिनटों के लिए सूर्य की किरणें नहीं गिरतीं जैसे कि अयोध्या के राम मंदिर में प्रतिष्ठित रामलला की मूर्ति के ललाट पर गिरती हैं।

रामनवमी विशेष

अनोखी है यह तकनीक

यह तकनीक वास्तव में इंजीनियरिंग और खगोलशास्त्र का संगम है। इस तकनीक में खगोलशास्त्र और भौतिकी (प्रकाश) विज्ञान का एक साथ उपयोग किया गया है। वास्तव में यह दुर्लभ संरेखण यानी रेयर एलाइनमेंट, बेहद सटीक काल गणना और दर्पण-लेंस प्रणाली के बेहतरीन समन्वय का नतीजा होती है। पहली बार किसी मंदिर में यह सूर्य किरण तिलक धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बना है। सूर्य तिलक बेहद जटिल तकनीकी है। केवल किसी खास दिन, केवल कुछ निश्चित क्षणों के लिए इसे सुनिश्चित करना भी बड़ी विशेषज्ञता है।

ऐसे होगा हर दिन सूर्य तिलक

चूंकि आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला का सूर्य तिलक किया जाना प्रस्तावित है, इसलिए मन में ऐसे सवाल उठने स्वाभाविक हैं कि जिस दिन सूर्य उगने के समय बारिश हो रही होगी, धुंध और कोहरा छाया होगा, उस दिन यह सब कैसे संभव होगा? जानकारों के मुताबिक अगर किसी दिन बारिश, बादल या मौसम की खराबी के कारण सूर्य दिखाई नहीं देगा, उस दिन यदि सूर्य तिलक की तकनीक पूरी तरह से प्रत्यक्ष सूर्य प्रकाश पर निर्भर होगी तब तो उस दिन सूर्य तिलक संभव नहीं होगा। चूंकि खगोलीय घटनाएं स्वाभाविक रूप से मौसम पर निर्भर होती हैं, इसलिए दुनिया के किसी भी स्थान पर 100% ऐसा करना प्राकृतिक ढंग से सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। लेकिन इसे बिना प्रत्यक्ष सूर्योदय के भी 100 फीसदी विभिन्न वैज्ञानिक तकनीक से संभव है। इसके लिए कुछ वैकल्पिक तकनीकी समाधान अपनाए जा सकते हैं, जैसे आर्टिफिशियल लाइटिंग सिस्टम। जिस तरह से सौर ऊर्जा संयंत्रों में सोलर लैंप का उपयोग किया जाता है, उसी तरह एक विशेष प्रकार की प्रकाशीय व्यवस्था यहां भी की जा सकती है। यह एलईडी या लेजर तकनीक का उपयोग कर सूर्य के प्रकाश का कृत्रिम रूप तैयार कर सकती है, जिससे तिलक की परंपरा जारी रह सके। रिफ्लेक्टर मिरर सिस्टम से भी यह संभव है। यदि किसी दिन प्रत्यक्ष सूर्योदय न हो तो इसके लिए पिछले दिनों के एकत्रित प्रकाश का उपयोग किया जा सकता है।

होलोग्राम तकनीक का विकल्प

एक अन्य विकल्प थ्री डी प्रोजेक्शन या होलोग्राम तकनीक भी हो सकती है, जो तिलक के प्रभाव को ठीक वैसे ही दिखाएगी, जैसा वास्तविक सूर्य तिलक के दौरान होता है। हालांकि मंदिर प्रशासन ने अब तक किसी आपातकाल में कृत्रिम विकल्प अपनाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन भविष्य में यदि भक्तों की मांग बढ़ती है, तो कृत्रिम रोशनी या वैकल्पिक तकनीकों को शामिल किया जा सकता है।

और भी हैं तकनीकें

कई बार ऐसा भी होता है कि मौसमी परिस्थितियों के चलते सामान्यतः सूर्य उगता हुआ नहीं दिखता, लेकिन वैज्ञानिक तथ्य यही होता है कि तब भी सूरज बादलों के पार उगा होता है और उसकी रोशनी किसी न किसी रूप में धरती पर आ रही होती है। यानी, नियत समय पर तब भी सूर्य अपनी जगह पर उग चुका होता है। वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से इस रोशनी का इस्तेमाल सूर्य तिलक के लिए संभव है। इसके लिए आधुनिक प्रकाशीय तकनीकों (ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी) और सौर ऊर्जा संग्रहण प्रणालियों का उपयोग किया जा सकता है। ऑप्टिकल सेंसर और रिले मिरर के साथ-साथ सोलर ट्रैकिंग सेंसर के जरिए जब सूरज उगा हुआ न दिखे तब भी यह संभव है। क्योंकि ये सेंसर सूर्य की स्थिति को ट्रैक करते हैं, भले ही वह बादलों के पीछे छिपा हो। ऐसे में सूर्य की हलकी सी रोशनी को भी ये सेंसर विशेष दर्पण प्रणाली की मदद से मूर्ति के मस्तक तक पहुंचा सकते हैं। इस तकनीक में फाइबर ऑप्टिक्स का भी उपयोग किया जा सकता है और सूरज की धुंधली रोशनी को भी केंद्रित किया जा सकता है। लब्बोलुआब यह कि वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से बादलों के बावजूद सूर्य तिलक संभव किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सोलर ट्रैकिंग, रिले मिरर जैसी लेजर तकनीकों का उपयोग करना होगा। *

राम नाम की महिमा अपार

दो अक्षरों से निर्मित 'राम' नाम की महिमा की थाह अपार, अनंत और कल्याणकारी मानी जाती है। पुराणों से लेकर धार्मिक साहित्य में भी इस नाम की महत्ता का गुणगान मिलता है। अनेक देशों में राम नाम के नगर और राम नाम धारी अनोखे बैंक इसे प्रमाणित करते हैं।

महात्म्य
शिखर चंद जैन

आपने यह भजन तो अवश्य सुना होगा, 'राम से बड़ा राम का नाम।' यह सुनकर आश्चर्य हो सकता है कि भला प्रभु राम का नाम, उनसे भी बड़ा कैसे हो सकता है! लेकिन यह बात महान ऋषि, मुनि, विद्वान और धर्माचार्य भी कहते रहे हैं। राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादू दयाल, सुंदरदास, मलूकदास, समर्थ रामदास आदि। प्रभु श्रीराम का नाम सुमिरन करते हुए, नाम जप करते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं। कई पुराणों में भी इस तरह का उल्लेख किया गया है कि कलयुग में राम नाम का जप ही लोगों को भवसागर से पार ले जाने वाला सिद्ध होगा।

शिव भी जपते राम का नाम

पौराणिक मान्यता है कि राम नाम की महिमा का वर्णन शिवजी से सुनकर माता पार्वती भी उनका नाम जप करती हैं। शिवजी हनुमानजी का अवतार लेकर भी राम का नाम ही जपते रहते हैं। रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने राम नाम की महिमा का कई जगहों पर वर्णन किया है-

महामंत्र जोइ जपत महेसू। कासी मुकुति हेतु उपदेसू॥
महिमा जासु जान गनराऊ। प्रथम पूजिअत नाम प्रभाऊ॥

अर्थात जो महामंत्र है, जिसे महेश्वर श्री शिवजी जपते हैं और उनके द्वारा जिसका उपदेश काशी में मुक्ति का कारण है तथा जिसकी महिमा को गणेशजी जानते हैं, जो इस 'राम' नाम के प्रभाव से ही सबसे पहले पूजे जाते हैं। एक अन्य स्थल पर वे कहते हैं-

रामनाम कि औषधि खरी नियत से खाय,
अंगरोग व्यापे नहीं महारोग मिट जाए।

अर्थात, राम नाम का जप एक ऐसी औषधि के समान है, जिसे अगर सच्चे हृदय से जपा जाए तो सभी आदि-व्याधि दूर हो जाती हैं, मन को परम शांति मिलती है।

स्वयं प्रभु को हुआ अचरज

राम नाम की महिमा का एक प्रसंग बहुत चर्चित है। आपने भी रामायण में पढ़ा होगा कि रामसेतु के निर्माण के समय हर पत्थर पर राम नाम लिखा जा रहा था और हर कोई राम नाम का जयघोष कर रहा था। राम के नाम लिखे पत्थर जब तैरने लगे तो प्रभु श्रीराम भी आश्चर्य में पड़ कर सोचने लगे। उन्होंने सोचा कि जब मेरे नाम लिखे पत्थर तैरने लगे हैं तो यदि मैं कोई पत्थर फेंकता हूं समुद्र में तो उसे भी तैरना चाहिए। मन में यही विचार करके उन्होंने भी एक पत्थर उठा लिया, जिस पर राम का नाम नहीं लिखा था और उसे समुद्र में फेंक दिया, लेकिन वह पत्थर डूब गया। भगवान श्रीराम आश्चर्य में पड़ गए कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? दूर खड़े हनुमानजी यह सब देख रहे थे। उन्होंने श्रीराम से कहा, 'प्रभु! आप जिस दुविधा में हैं उसका उत्तर मैं देता हूं। हे प्रभु! आपके नाम को धारण कर तो सभी अपने जीवन की नैया को पार लगा सकते हैं, लेकिन जिसे आप स्वयं त्याग रहे हैं, उसे डूबने से भला कोई कैसे बचा सकता है?'

पाप-अज्ञान से मिले मुक्ति

राम के नाम में इतनी शक्ति है कि उनके नाम का जप करते हुए वाल्मीकि, देवतुल्य ऋषि और तुलसीदास, अज्ञानी से महान ज्ञानी-संत कवि बने।

दुनिया भर में व्याप्त राम का नाम

भगवान राम के नाम का डंका भारत भूमि पर ही नहीं, बल्कि विदेशी धरती पर भी बजता है। एक अध्ययन के मुताबिक राम, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूज्यनीय हैं। हॉलैंड का महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय ऐसा नक्शा बना रहा है, जिसमें राम के नाम से जुड़े करीब एक हजार नगर हैं, इस पर काम चल रहा है। राम नाम से दुनिया के अनेक देशों में नगर मौजूद हैं। इनमें शामिल हैं- ऑस्ट्रेलिया-रामसे, अलास्का-रामीज, बेल्जियम-इवोज रामेट, रामसेल, अफगानिस्तान-रामबुत, जर्मनी-रामवर्ग, रामस्टीन, रामबो, जिंबाब्वे-रामक्काड, लीबिया-रामलहर, लेबनान-रामाथी, सीरिया- रामर, रामट, मैक्सिको-रामीनेज, रामोनल, केन्या-रामा, रामी, डेनमार्क-रामी, रामसी, रामटेनऑ, अमेरिका-रामपो, रामह, रामरीटो, रामीरेज, इराक-रमन, रामूटा, रामा, रामाला, ईरान-रामरोद, रामसार, रामिस्क, रामिया, रूस- रामासुख, रामेसा, रामेला, रामेस्फ, स्पेन- रामाल्स डला विक्टोरिया, इंग्लैंड-रामसगबेट, राम्सगिन, राम टेक्पासाइड, फ्रांस-रामट्यूवेल, सेंट रामवर्ट, सेंट रामबाउलर *

अनोखी आस्था : राम नाम का बैंक

बनारस की पावन धरती पर राम नाम की महिमा को समर्पित राम नाम का एक बैंक है। इस बैंक का नाम है 'राम रमापति बैंक'। यह देश में नित नए खुल रहे राम नाम बैंकों में से सबसे पुराना है। यहां 'राम नाम' का कर्ज भी मिलता है। इस बैंक को 1926 में दास छन्नूलाल ने स्थापित किया था। बैंक के नियम कायदे काफी कठोर हैं, जिनका पालन ग्राहकों को अनुशासित रूप से करना पड़ता है। हर ग्राहक को 500 बार रोज के हिसाब से 1,25,000 बार राम नाम लिखने का वादा करना पड़ता है, वह भी सुबह 4 बजे से शाम को 7 बजे के बीच की अवधि में। लेखन सामग्री और स्याही आदि सब बैंक द्वारा उपलब्ध करवाया जाता है। लाल स्याही के पावडर को गंगा नदी के जल में घोलकर स्याही बनानी पड़ती है। इतने कड़े नियमों के बावजूद इस अनूठे बैंक के डेढ़ लाख आजीवन सदस्य हैं। भगवान की जन्मभूमि अयोध्या में भी अंतरराष्ट्रीय 'श्री सीताराम बैंक' है। यहां सभी भाषाओं में राम का नाम लिखा हुआ स्वीकार किया जाता है। इस बैंक की 101 शाखाएं हैं, जो न सिर्फ हमारे देश में बल्कि अमेरिका, कनाडा, नेपाल और फिजी में भी हैं।

नवगीत
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

गमलों के बरगद

छांव नहीं दे पाते हैं
गमलों के बरगद
उन्हें देखकर नागफनी
होती है गदगद।
कुछ भी कहने पर बंदिश
हो, हाथ बंधे हों
जिस पर कलम चलाना हो
वो पत्र कंधे हों
नहीं मायने रखता
ऐसे में कोई पद।
अपने बूते चलने वाले
कम दिखते हैं
कुछ परबुधिया हो जाते हैं
कुछ बिकते हैं
लोग तय किया करते हैं
अब औरों की हद।
टेढ़े पेड़ों को हरदम
कटना पड़ता है
बिना मोल के लोगों में
बंटना पड़ता है
जड़ें कटी हों जिसकी
घटता है उसका कद।
निर्भय होने पर ही चिड़िया
उड़ पाती है
खुले गगन से जीवन भर
फिर जुड़ पाती है
पंख तभी खुलते हैं जब
वो भरती है डग।

अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा कि ये घिबली क्या बला है!

कार्टून इंसान की कार्टून छवि

व्यंग्य
संदीप भटनागर

चुन्नी बाबू सुबह से छः बार कॉल कर चुके थे और हम बात करना टाल रहे थे। सोचा थोड़ी देर में खुद ही समझ जाएंगे लेकिन जब सातवीं बार फिर मोबाइल रिंग के साथ स्क्रीन पर उनका नाम चमका तो लगा कि उधर कुछ ज्यादा ही बेचैनी है।

फोन उठाते ही चुन्नी बाबू गरियाए 'अमां क्या अहमक आदमी हैं आप, एक ओर हमारी दोस्ती का दम भरते हैं और दूसरी ओर हमारे कॉल्स नजरअंदाज करते हैं? एक-दो कॉल हो तो ठीक है छः कॉल घोट कर पी गए। खुदा न खास्ता कोई इमरजेंसी हो तो हम तो तुम्हारे भरोसे नप ही जाएं। तुम्हारे इसी एटीट्यूड के कारण हमने हमारी संभावित 'फोन अ फ्रेंड' की लिस्ट में से तुम्हारा नाम डिलीट कर दिया है।'

चुन्नी बाबू पिछले कई सालों से हॉट सीट के चक्कर में लगे थे।

क्षणिक चुप्पी के बाद चुन्नी बाबू की गहरी सांस ने सिग्नल दिया कि अब बोलने की बारी हमारी है।

'ऐसी तो कोई बात नहीं चुन्नी बाबू कि हम आपका कॉल नजरअंदाज करें वो बस सुबह की मसरूफियत में आपके कॉल मिस कर बैठे, अब बताओ कौन सी इमरजेंसी आन पड़ी है?'

चुन्नी बाबू थोड़ा नॉर्मल होकर बोले, 'सुना है, तुमने अपने रिटायरमेंट के बाद लोगों को ज्ञान बांटने का काम चालू किया है?'

'अरे नहीं चुन्नी बाबू, हम क्या ज्ञान बांटेंगे? इस काम में तो अनेक सोशल मीडिया यूनिवर्सिटी और हजारों वाट्सएप समूहों के एडमिन और लाखों सदस्य दिन-रात लगे पड़े हैं। हमें तो बस कोई बुलाता है तो चले जाते हैं। इस बहाने अपना भी टाइम पास हो जाता है।'

'चलो ठीक है मान ली तुम्हारी बात, लेकिन उसके लिए तुम्हें दुनिया भर की खबर भी तो होनी चाहिए।' अब चुन्नी बाबू ज्ञान बांटने के मूड में लगे।

हमने कहा, 'हां इसी कोशिश में हम कुछ न कुछ पढ़ते-लिखते रहते हैं।'

'पढ़ना-लिखना सब पुराना ट्रेंड हो गया है, इससे कुछ नया हासिल होने वाला नहीं है। हर रोज नई-नई चीजें ट्रेंड हो रही हैं और तुम किताबों से माथा-पच्ची में लगे हो। पिछले कुछ दिनों से घिबली ने देश-दुनिया को हिलाकर रखा है।' चुन्नी बाबू ने हमें धिक्कारा।

हमें लगा कि म्यांमार और पड़ोसी देशों में आए विनाशकारी भूकंप के बाद यह कोई नई मुसीबत आई है। हमने अपने ज्ञान तंतुओं को एकत्रित कर पूछा, 'क्या घिबली कोई नया तूफान या चक्रवात है, जिसकी हमें खबर नहीं है?' बहुधा चक्रवात और तूफानों के इस तरह के नामकरण करने की परंपरा है।

चुन्नी बाबू हमारे अज्ञान पर तरस खाकर बोले, 'अपनी भूरी, मटमैली, नीरस किताबी दुनिया से बाहर निकल कर कुछ समय सोशल साइट्स की रंग-बिरंगी दुनिया में बिताओ तो पता लगे कि क्या हैशटैग हो रहा है और क्या ट्रेंड कर रहा है?'

हम अपनी गैर सामाजिक छवि पर शर्मिंदा हुए और समर्पण भाव से बोले, 'आप ही बता दीजिए कि घिबली क्या बला है, और इसका इतना शोर क्यों है?'

'जनाब इसका पूरा नाम घिबली स्टाइल पोट्रेट है, जो चैटजीपीटी का नया एआई टूल है।' चुन्नी बाबू ने अपनी ज्ञान की पोटली खोली।

'अच्छा! मतलब विज्ञान का तरक्की की ओर एक और कदम। यह हम इंसानों की किस तरह मदद करेगा?' हम चुन्नी बाबू के ज्ञान कुंड में गोता मारने की तैयारी में थे।

'यह इंसानों को कार्टून में बदल देता है।' चुन्नी बाबू के स्वर में उत्साह था।

हमने पूछा, 'आपने ट्राय किया?'

'हां किया और यही बताने के लिए तो सुबह से सात कॉल कर चुके हैं।'

हे भगवान! तो क्या अब चुन्नी बाबू की जगह उनके कार्टून से काम चलाना होगा और उनकी बीवी परम आदरणीय हमारी भाभी जी का क्या होगा? वो तो दिन भर में पचासियों बार उन्हें कार्टून घोषित करती रहती हैं। अब तो घोषित करने लायक कुछ रहा ही नहीं।

'मिलने पर हम आपको पहचान पाएंगे?' हमने अपनी शंका जाहिर की।

'हमें क्या हुआ है?' चुन्नी बाबू चौंक कर बोले।

हमने कहा, 'अरे! अभी तो आपने कहा कि आप घिबली के वश में आकर कार्टून बन गए हैं।'

चुन्नी बाबू हमारी नादानी पर खुल कर हंसते हुए बोले, 'अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। चलिए बहुत हुआ अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा।' कह कर चुन्नी बाबू ने फोन काट दिया।

हम सोच रहे थे कि तरक्की की होड़ में दौड़ते-हांफते कार्टून बन चुके इंसान की छवि को कार्टून बनाने में इतने पैसे खर्च क्यों किए? और कर भी दिए तो ये झुनझुना हमें क्यों थमा दिया? हमारे अपने झुनझुने कम थे क्या? अब बजाने के लिए यह झुनझुना मुफ्त में मिल ही गया है तो हम भी टूट पड़े उसे टूटने की हद तक बजाने के लिए।

बीते सप्ताह यह खबर भी आई कि ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने हाथ जोड़ कर इंसानों से विनती की है कि कार्टून बनने-बनाने की प्रक्रिया को धीमा करें ताकि उनके टूल्स लंबे समय तक प्रभावी रूप से इंसान की छवि को कार्टून बनाते रहें। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

हरिभूमि रविवार भारती

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक, रविवार 6 अप्रैल 2025

विशेषः हनुमान जन्मोत्सव, 12 अप्रैल

धार्मिक स्थल / शिखर चंद जैन

वैसे तो रामभक्त हनुमानजी के अनेक मंदिर अपने देश में स्थित हैं। अपने देश के अलावा विदेशों में भी हनुमानजी के कई प्रतिष्ठित और अनूठे मंदिर हैं। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हम आपको देश-विदेश के कुछ अनूठे हनुमान मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

देश-विदेश में स्थित हनुमान जी के अनूठे मंदिर

दत्तात्रेय मंदिर प्रांगण, त्रिनिडाड-टोबैगो

त्रिनिडाड-टोबैगो देश के कारापीचैमा/करापीचाइमा नामक स्थान में स्थित दत्तात्रेय मंदिर 9 जून 2003 को खोला गया था। इस मंदिर में हनुमान जी की 85 फीट ऊंची मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। साथ ही मूर्ति के आधार स्थल पर एक छोटा हनुमान मंदिर, दत्तात्रेय और अनघा देवी की प्रतिमाएं, राज राजेश्वरी, गणपति की प्रतिमा और शिव लिंग की भी स्थापना की गई है। भारत के बाहर मौजूद हनुमान जी की यह सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। दक्षिण भारत की द्रविड़ वास्तुकला शैली में इस हनुमान प्रतिमा का निर्माण किया गया है। मुख्य मंदिर में प्रवेश करने से पहले भक्तों के पैर धोने के लिए कंक्रीट से निर्मित हाथी की दो विशाल प्रतिमाओं से पानी उपलब्ध कराया जाता है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक गुंबद है, जिसमें सात अलग-अलग रंगों में विभिन्न प्रकार के वाद्ययंत्र बजाते हुए संगीतकारों की प्रतिमाएं मौजूद हैं। *

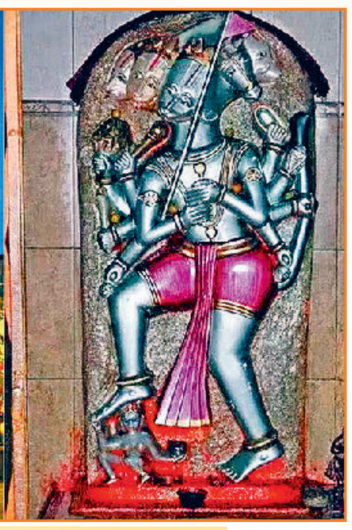

पंचमुखी हनुमान मंदिर, पाकिस्तान

आपको जानकर अचरज हो सकता है कि पाकिस्तान के कराची में स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर दुनिया के सबसे पुराने हनुमान मंदिरों में से एक माना जाता है। बताया जाता है कि यह मंदिर लगभग 1500 साल पुराना है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वनवास के दौरान भगवान राम उस स्थान पर आए थे, जहां यह मंदिर बना हुआ है। सदियों पहले खुदाई में यहां हनुमान जी की मूर्ति मिली थी। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां यह मूर्ति दैवीय शक्ति से प्रकट हुई थी। इसलिए यहां भव्य मंदिर बना दिया गया। साल 2019 में यहां हनुमान जी की 9 अन्य मूर्तियां प्राप्त हुई थीं। इस मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं में जिज्ञासा और आस्था बढ़ती ही जा रही है। पंचमुखी हनुमान मंदिर को पाकिस्तान में राष्ट्रीय विरासत का दर्जा भी मिला हुआ है। *

श्री आंजनेय मंदिर, मलेशिया

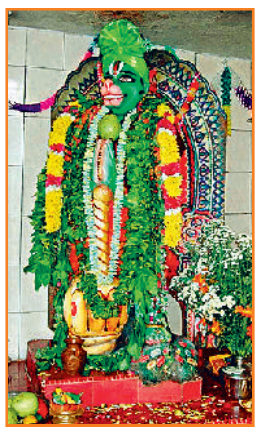

यह मंदिर मलेशिया के पोर्ट डिक्सन में स्थित है। अपने साथ जुड़ी रहस्यमयी कहानियों के कारण आंजनेय मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। ऐसा माना जाता है कि मंदिर में रखी हनुमान प्रतिमा ने खुद ही अपना चेहरा रामेश्वरम मंदिर (भारत देश में स्थित) की ओर मोड़ लिया था। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1996 में एक विदेशी फोटोग्राफर आंजनेय मंदिर की तस्वीरें क्लिक कर रहा था। जब वह कुछ और तस्वीरें क्लिक करने के लिए वापस लौटा तो उसने हनुमान जी की मूर्ति के शीष की दिशा में बदलाव देखा। यह देखकर वह अचरज में पड़ गया। उसने वहां उपस्थित लोगों से यह बात कही और तस्वीरें दिखाईं, तो सभी लोग इस चमत्कार से दंग रह गए। ध्यातव्य है कि रामेश्वरम भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक है और इनकी स्थापना भगवान श्रीराम के द्वारा की गई मानी जाती है। *

जाखू मंदिर, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के जाखू में 8100 फीट की ऊंचाई पर मौजूद यह अत्यंत प्राचीन और जाग्रत हनुमान मंदिर, रामायण काल का बताया जाता है। इस मंदिर में 108 फीट ऊंची हनुमानजी की मूर्ति है। इस मंदिर और हनुमानजी की यह विशेष प्रतिमा देखने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। मान्यता है कि रावण के साथ युद्ध के दौरान जब लक्ष्मणजी मूर्छित हो गए थे और हनुमानजी उनके लिए संजीवनी बूटी लेने जा रहे थे, तभी उनकी नजर यहां तप कर रहे एक यक्ष ऋषि पर पड़ी। हनुमानजी जरा क्लांत और संशय में थे। संजीवनी बूटी की सही जानकारी हासिल करने के लिए वे यहां कुछ समय के लिए ठहरे थे। यक्ष ऋषि के नाम पर ही अपभ्रंश होता हुआ, इस मंदिर का नाम जाखू मंदिर पड़ गया। *

बाला हनुमान मंदिर, गुजरात

बाला हनुमान मंदिर, जिसे श्री बालहनुमान संकीर्तन मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, गुजरात के जामनगर में रणमल झील (लखोटा झील) के दक्षिण पूर्व में स्थित है। इस मंदिर में भगवान राम, सीताजी, लक्ष्मणजी और हनुमानजी की मूर्तियां हैं। 1 अगस्त, 1964 से मंदिर परिसर में दिन-रात राम धुन 'श्री राम, जय राम, जय जय राम' का जाप होता रहता है। इस चौबीसों घंटे चलने वाले अनुष्ठान को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। स्थानीय लोगों की मंदिर में गहरी आस्था है और उनका मानना है कि यह मंदिर उन्हें प्राकृतिक आपदाओं और जीवन के अन्य संकटों से बचाता है। *

भगवान श्रीराम का अवतारी जीवन हमें मर्यादा, आदर्श और नीति का पाठ तो पढ़ाता ही है। इसके साथ ही साथ कॉर्पोरेट क्षेत्र से जुड़े आज के दौर के युवा भी श्रीराम से सात ऐसे गुण सीख सकते हैं, जो उन्हें मनचाही सफलता दिला सकते हैं।

भगवान राम से सीखें कॉर्पोरेट सफलता के सूत्र

प्रेरणा / लोकमित्र गौतम

भगवान राम न सिर्फ मर्यादा पुरुषोत्तम और नैतिक मूल्यों के प्रतीक हैं बल्कि उनके व्यक्तित्व में प्रबंधन के ऐसे गुण भी मौजूद हैं, जिन्हें सीखकर कोई भी युवा कॉर्पोरेट क्षेत्र में शानदार सफलता हासिल कर सकता है। ऐसे सात सूत्रों के बारे में हर युवा को जानना चाहिए।

नेतृत्व का गुणः भगवान राम न सिर्फ शक्तिवान हैं बल्कि वह एक समर्थ सेनापति और टीम लीडर भी हैं। राम-रावण युद्ध के नजरिए से देखें तो रावण के पास अपार सेना और युद्ध के सारे संसाधन थे, लेकिन जिस तरह भगवान राम अपनी थोड़ी सी भालू, बंदरों की सेना को उच्चस्तरीय प्रबंधन करते हुए रावण की विशाल सेना को हरा देते हैं, उनमें नेतृत्व क्षमता को साबित करता है। कॉर्पोरेट जगत में युवा अपनी टीम को स्पष्ट दृष्टि देने के लिए भगवान राम से यह गुण सीख सकते हैं। किस तरह अपनी टीम को प्रेरित किया जाए और कैसी विस्तृत रणनीति से सफलता सौ फीसदी हासिल की जाए?

कार्य विभाजनः रावण से युद्ध के पहले श्रीराम जानते थे कि उनके पास छोटी-सी सेना है। इसलिए उन्होंने सैनिकों में इस तरह काम का विभाजन किया कि सफलता हासिल हो। उन्होंने लक्ष्मण, हनुमान, सुग्रीव और विभीषण को उनकी क्षमता के मुताबिक जिम्मेदारियां सौंपीं। कॉर्पोरेट टीम लीडरशिप के लिए अपने साथियों की अधिकतम क्षमताओं का प्रयोग करने के लिए कार्य विभाजन हर हाल में आना चाहिए।

रणनीति प्रबंधनः कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के लिए मजबूत नेटवर्किंग और सही साझेदारों की पहचान बहुत जरूरी होती है। आज के युवा सफलता का यह जरूरी गुण भगवान राम से सीख सकते हैं। भगवान राम ने हमेशा सही लोगों से मजबूत और विश्वसनीय संबंध बनाए। उन्होंने रावण से युद्ध के लिए सुग्रीव, हनुमान और विभीषण जैसे सहयोगियों की न केवल मदद ली बल्कि उस मदद को अधिकतम उपयोगी बनाने के लिए सटीक तौर पर रणनीतिक प्रबंधन का सहारा लिया।

धैर्य और आत्मविश्वासः जीवन का कोई भी क्षेत्र हो, सफलता के लिए धैर्य और आत्मविश्वास जरूरी है। खासकर जो आज के युवा स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं, उन्हें जिस तरह की बाजार प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ता है, उसमें धैर्य और आत्मविश्वास की महती जरूरत होती है। जिस तरह भगवान राम ने कभी भी धैर्य और आत्मविश्वास का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने अपने जीवन में कोई भी निर्णय जल्दबाजी में नहीं लिया। हर कदम को उठाने के पहले धैर्य से काम लिया। लंका पर भी आनन-फानन में हमला नहीं किया। रावण के हर कदम को अच्छी तरह से समझने के बाद ही उन्होंने युद्ध का ऐलान किया। आज के स्टार्टअप्स कल्चर में भी धैर्य और आत्मविश्वास की बहुत जरूरत पड़ती है।

अनुशासनः अनुशासन एक ऐसा गुण है, जो करियर में सफलता की चाह रखने वाले युवाओं में अनिवार्य रूप से होना चाहिए। जैसे भगवान राम ने 14 साल के वनवास को पूरे अनुशासन के साथ पूरा किया। युवाओं को भी भगवान राम की तरह ही अपने कर्म के प्रति अनुशासित रहना चाहिए।

समस्या समाधान की क्षमताः कोई भी कॉर्पोरेट दिग्गज अपने फील्ड में तभी सफलता हासिल कर पाता है, जब उसके पास यूनिक आइडियाज और स्मार्ट प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल हो। युवा, भगवान राम से इनोवेशन की महत्ता और समस्या के समाधान की विशिष्टता सीख सकते हैं।

नैतिकता और ईमानदारीः जमाना कोई भी हो, क्षेत्र कोई भी हो, बिना नैतिकता और ईमानदारी के किसी भी क्षेत्र में सफलता नहीं मिलती। कॉर्पोरेट क्षेत्र में सफलता के लिए युवाओं को इस मामले में भी भगवान राम से एक बड़ी सीख मिलती है, वह यह कि सफलता के लिए कभी भी अनैतिक और गैरईमानदार नहीं होना चाहिए। भगवान राम ने सदैव धर्म का पालन किया, ईमानदारी का मार्ग अपनाया इसलिए कभी भी वह सफलता से वंचित नहीं रहे। *

लाइफस्टाइल / अंजू जैन

आप अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को मेंटेन करने के लिए तो कई एफर्ट करते हैं। लेकिन क्या अपनी सोशल हेल्थ पर भी पूरा ध्यान देते हैं? कैसे रहें सोशली हेल्दी, जानिए।

इन रूल्स को करें फॉलो आप रहेंगे सोशली हेल्दी

बहुत कम लोगों को पता है कि तन और मन के स्वास्थ्य के लिए सामाजिक, पारिवारिक रिश्ते और संपर्क बनाए रखना जरूरी होता है। ऐसा न करने से लोग हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हार्ट डिजीज, स्ट्रेस और डिप्रेशन जैसी बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं।

क्या है सोशल हेल्थः हमारा सोशल सर्किल कैसा है, हमें मुसीबत में देखकर कितने लोग मदद का हाथ बढ़ाते हैं, दुःख-सुख में हमारे पास बैठकर बातें करने वाले कितने लोग हमारे संपर्क में हैं, हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा और लोगों के साथ बॉन्डिंग कैसी है? यह सब निर्भर करता है, हमारी सोशल हेल्थ पर। सामाजिक स्वास्थ्य को दूसरों के साथ बातचीत करने और रिलेशन बनाने की क्षमता के रूप में डिफाइन किया जा सकता है।

सोशल हेल्थ का महत्वः सोशल हेल्थ का अच्छा स्तर बनाए रखने से आप दूसरों के साथ अच्छे संबंध बना सकते हैं। इन रिश्तों में दोस्ती, पारिवारिक और प्रोफेशनल रिश्ते शामिल हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि वीक सोशल हेल्थ वाले लोगों में स्ट्रोक का खतरा 32%, मेंटल प्रॉब्लम्स का खतरा 50% और समय से पहले मृत्यु का खतरा 29% बढ़ जाता है। बीते कुछ सालों में विभिन्न अध्ययनों से पता चलता है कि सामाजिक संबंधों की गुणवत्ता और इनके लेवल दोनों का हमारे जीवन पर टेंपररी और परमानेंट प्रभाव पड़ता है।

सोशली हेल्दी होने के लक्षणः अगर आप मधुर, प्रभावी ढंग से बातचीत करते हैं, अपने सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन को संतुलित रखते हैं, वर्क प्लेस, सोसाइटी और अपने परिवार में लोगों के साथ जुड़े रहते हैं, सामाजिक परिस्थितियों में खुद को इंवॉल्व कर लेते हैं, दूसरों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करते हैं, मित्रता और सोशल नेटवर्क विकसित करने और बनाए रखने में सक्षम हैं तो इसका अर्थ होगा कि आप सोशली हेल्दी हैं।

ऐसे रहेंगे सोशली हेल्दीः सोशली हेल्दी रहने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

- टॉक्सिक रिलेशंस से बचें क्योंकि कोई रिलेशन जब टॉक्सिक हो जाता है तो वह कभी भी आपकी आर्थिक, मानसिक या शारीरिक सेहत के लिए सही नहीं होगा।
- अपना सोशल नेटवर्क बढ़ाने, लोगों के साथ बॉन्डिंग बढ़ाने के लिए धार्मिक और सामाजिक समूह का हिस्सा बन सकते हैं। इससे आप लोगों से जुड़ते हैं। ये संबंध आपके सामाजिक स्वास्थ्य में योगदान देते हैं।
- अपने रिश्तों को पोषित करने के लिए, दोस्ती को बनाए रखने के लिए हमेशा प्रयास करते रहें। यह आपके सामाजिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत अच्छा है। रिश्ते को मधुर बनाने के लिए दोनों तरफ से प्रयास की जरूरत होती है।

- अच्छी सोशल हेल्थ के लिए दूसरों में कमियां न निकालें, उनकी आलोचना न करें। एक समझदार व्यक्ति की तरह स्वीकार करें कि हर किसी को अपना जीवन अपने मन से अलग तरीके से जीने का अधिकार है। आपको यह भी मानना चाहिए कि आप हमेशा सही नहीं होते, इसलिए ऐसा व्यवहार न करें जैसे आप ही सही हैं।
- किसी से कोई मतभेद हो या समस्या हो तो बिना क्रोध या दोषारोपण के किसी समस्या के बारे में बात करें। यह सम्मानजनक संबंध बनाए रखने में मदद करता है, जो आपके सामाजिक स्वास्थ्य में योगदान देता है।
- दुनिया में हर कोई महत्वपूर्ण महसूस करना चाहता है। इसलिए अपने मित्रों, सहयोगियों और परिवार के सदस्यों की सराहना करने में कंजूसी न करें। इससे आपका सामाजिक स्वास्थ्य मजबूत होगा।
- हर कोई चाहता है कि उसकी बात ध्यान से सुनी जाए। इसलिए किसी को इग्नोर न करें, ध्यान से दूसरों की बातों को सुनें। उचित हो तभी प्रतिक्रिया दें। इन बातों का ध्यान रखने से आपकी सोशल हेल्थ अच्छी रहेगी। *

(मनोविज्ञानी डॉ. रूपा तालुकदार से बातचीत पर आधारित)

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

ईद के मौके पर दर्शकों को सलमान खान की नई फिल्म का इंतजार रहता है। इस बार भी उन्होंने अपने फैंस को निराश नहीं किया। दर्शकों को ईद का तोहफा फिल्म 'सिकंदर' के रूप में मिला। एक खास मुलाकात में इस फिल्म के एक्सपीरियंस, इसके बिजनेस को लेकर सलमान खान ने खुलकर बातचीत की। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर मैं ज्यादा नहीं सोचता : सलमान खान

सलमान खान बॉलीवुड के उन चुनिंदा एक्टरों में से एक हैं, जो लगभग साढ़े तीन दशक से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर राज कर रहे हैं। बीते 30 मार्च को ईद के अवसर पर उनकी नई फिल्म 'सिकंदर' रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके अपोजिट हैं, साउथ की स्टार 'नेशनल क्रश' कही जाने वालीं रश्मिका मंदाना। फिल्म को डायरेक्ट किया है फिल्म 'गजनी' फेम डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदॉस ने। फिल्म 'सिकंदर' को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें, तो इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह फिल्म वर्ल्ड वाइड एक सौ सत्तर करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी है और अभी भी दर्शकों में इसे देखने को लेकर क्रेज बना हुआ है। इस फिल्म से जुड़े कुछ सवालों के जवाब सलमान खान ने दिए इस बातचीत में।

आपकी फिल्म 'सिकंदर' हाल में ईद पर रिलीज हुई है। इससे पहले भी आपकी कई फिल्में ईद के मौके पर रिलीज होती रही हैं। ईद पर ही फिल्म रिलीज करने की कोई खास वजह?

ईद पर फिल्म रिलीज करने के पीछे एक वजह तो यह है कि इस दिन लोगों की छुट्टी होती है और दर्शक थिएटर तक फिल्म देखने आ सकते हैं। दूसरी वजह है कि त्योहार का खुशनुमा माहौल और पॉजिटिव वाइब्स फिल्म के लिए फायदेमंद साबित होती हैं। मुझे त्योहार मनाना अच्छा लगता है फिर चाहे वह ईद हो या दिवाली। इसी दौरान अगर मेरी फिल्म रिलीज होती है तो और अच्छा लगता है।

फिल्म 'सिकंदर' के एक सीन में सलमान खान

फिल्म के डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदॉस के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

बहुत ही अच्छा! उनका काम करने का तरीका बहुत यूनिक है। मैं उनके काम से बहुत प्रभावित हूं। फिल्म देखकर आपको पता चलेगा कि 'सिकंदर' के लिए उन्होंने कितनी मेहनत की है। इससे पहले भी उन्होंने जो फिल्में बनाई हैं, उसमें उनका काम बोलता है। फिर चाहे वह आमिर खान की फिल्म 'गजनी' हो या उनकी डायरेक्टेड साउथ की फिल्में हों।

'सिकंदर' में रश्मिका मंदाना के साथ रोमांटिक जोड़ी बनाने को लेकर, उम्र के फर्क को लेकर आप पर बहुत कमेंट किए गए। इस पर आप क्या कहना चाहेंगे?

हां, मैंने भी लोगों से सुना है कि रश्मिका मुझसे आधी उम्र की है, मुझे उसके साथ जोड़ी नहीं बनानी चाहिए थी, हमारी जोड़ी उम्र के गैप की वजह से सही नहीं लग रही है। ऐसे लोगों के लिए मैं यही कहना चाहूंगा कि जब हीरोइन को मेरे साथ जोड़ी बनाने में कोई फर्क नहीं पड़ता, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, तो हमारी जोड़ी से लोगों को क्या प्रॉब्लम है? हमारी जोड़ी फिल्म के लिए है, फिल्म की कहानी के हिसाब से है। अच्छी है या बुरी है, यह तो दर्शक तय करेंगे न।

'सिकंदर' को रिलीज हुए एक सप्ताह ही हुआ है और फिल्म ने वर्ल्ड वाइड एक सौ सत्तर करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐसे में आपको इस फिल्म से आगे क्या उम्मीदें हैं?

हर कलाकार चाहता है कि उसकी फिल्म अच्छा बिजनेस करे। वैसे बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर मैं ज्यादा सोचता नहीं हूं। मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान देता हूं और एक बार काम खत्म हो गया, तो सारी टेंशन छोड़ देता हूं। वैसे पर्सनली मैं अगर बात करूं, तो फिल्म अच्छी बनी है। मेरे पिताजी ने भी फिल्म देखी है। उन्होंने भी 'सिकंदर' की तारीफ की है। उन्हें भी फिल्म अच्छी लगी है।

'सिकंदर' की रिलीज के तीन दिन पहले मोहनलाल की 'एल2 एंपुरान' रिलीज हुई थी और अब सनी देओल की फिल्म 'जाट' रिलीज होने वाली है। इन फिल्मों की वजह से 'सिकंदर' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर क्या कोई इफेक्ट पड़ेगा?

'एल2 एंपुरान' को पृथ्वीराज सुकुमारन ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म के एक्टर मोहनलाल सर को एक अभिनेता के तौर पर मैं बहुत पसंद करता हूं। मुझे पक्का यकीन है कि यह एक बेहतरीन फिल्म होगी। जहां तक 'जाट' का सवाल है तो वह सनी प्राजी की फिल्म है। मोहनलाल और सनी देओल दोनों से ही से मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं। आपस में कैसा टकराव? मैं तो चाहता हूं कि हम सभी की फिल्में अच्छी चलें। हम सभी अपना काम ईमानदारी से कर रहे हैं। तो उसका अच्छा फल ही मिलेगा। *

मेरे पिता हैं रियल लाइफ सिकंदर

इस फिल्म में तो सलमान खान सिकंदर का रोल निभा रहे हैं। लेकिन रियल लाइफ सिकंदर वे किसे मानते हैं? इसके जवाब में सलमान कहते हैं, 'मेरे जीवन में सिकंदर तो एक ही हैं और वह हैं- मेरे पिता सलीम खान। वह आज जो भी हैं, अपने दम पर हैं। मेरे वालिद (पिता) का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था। उनको कुछ भी नहीं मालूम था कि ग्लैमर वर्ल्ड में अपने आपको कैसे स्थापित करना है। अपने टैलेंट और अपनी मेहनत के बल पर उन्होंने इंडस्ट्री में अपना एक अलग मुकाम बनाया। उन्होंने सिर्फ अपने आपको ही नहीं हमारे पूरे परिवार को अपने अकेले दम पर संभाला और सभी को एक मुकम्मल मुकाम दिया। इसलिए मेरी नजर में असली सिकंदर वही हैं।